12 जनवरी 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

सीएम ने किया दरभंगा में वृहद आश्रय गृह का किया उद्घाटन

2

सुप्रीम कोर्ट : पहली बार बदले नियमों के तहत होगी नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति

एजेंसी/दिल्ली

दिल्ली में चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है। इस बीच मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के सेवानिवृत्त होने की तारीख भी करीब आ रही है। दिल्ली में मतदान और नतीजों के आने के कुछ दिन बाद ही सीईसी अपने पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। ऐसे में, राजीव कुमार के बाद पहली बार नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति बदले नियमों के तहत होगी। पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भी होते थे। मगर नए कानून में सीजेआई को पैनल से बाहर रखा गया है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की नजर अब इसी नए कानून पर होगी। इस कानून की वैधता को चुनौती दी गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, जो दिसंबर 2023 में लागू हुआ, का पहला उपयोग मार्च 2024 में हुआ था, जब ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। यह नियुक्ति अरुण गोयल के इस्तीफे और अनुप चंद्र पांडे के सेवानिवृत्त होने के बाद हुई थी। 18 फरवरी को होंगे रिटायर

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 18 फरवरी को 65 वर्ष की आयु पूरी करने के साथ ही पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके बाद, नए कानून के तहत पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की जाएगी।

पहले कैसे होती थी नियुक्ति

नए कानून के लागू होने से पहले, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सरकार की सिफारिश पर की जाती थी। परंपरा के अनुसार, सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर पदोन्नत कर दिया जाता था। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली समिति नए चुनाव आयुक्त पर फैसला करेगी।

इन लोगों के नामों पर संशय

ज्ञानेश कुमार और संधू में से किसी को चुना जाएगा। ज्ञानेश का कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक है, जब वे 65 वर्ष के हो जाएंगे। कानून के अनुसार, कानून मंत्री की अध्यक्षता वाली एक खोज समिति जिसमें दो केंद्रीय सचिव शामिल होंगे, चयन समिति के लिए पांच नामों का एक पैनल तैयार करेगी। चयन समिति, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करेंगे। इसमें प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होंगे, राष्ट्रपति को मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति के लिए एक नाम की सिफारिश करेगी। कानून की धारा छह के अनुसार, चयन समिति के पास उन लोगों पर भी विचार करने का अधिकार है, जिन्हें कानून मंत्री के नेतृत्व वाली खोज समिति द्वारा शॉर्टलिस्ट नहीं किया गया है। सीईसी और चुनाव आयुक्तों पर 1991 का कानून उनके वेतन और सेवा शर्तों से संबंधित था, लेकिन नियुक्ति की विधि से संबंधित नहीं था। दो मार्च, 2023 के अपने फैसले में न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सीजेआई को शामिल करते हुए एक पैनल का गठन किया था। इसने कहा था कि जब तक नियुक्तियों पर कानून नहीं बन जाता, तब तक पैनल द्वारा तय कॉलेजियम मान्य रहेगा। बाद में, जब सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) विधेयक लेकर आई, तो उसने सीजेआई की जगह एक केंद्रीय मंत्री को शामिल कर दिया, जिसका नाम चयन पैनल में प्रधानमंत्री द्वारा रखा जाएगा। चयन समिति की संरचना में बदलाव को चुनौती दी गई है। मामले को चार फरवरी के लिए स्थगित करते हुए, शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि वह देखेगी कि किसके विचार सर्वोच्च हैं।

खबरें फटाफट

दिल्ली चुनाव को लेकर भाजपा ने जारी की दूसरी सूची

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने शनिवार रात को 29 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने कपिल मिश्रा को करावल नगर से टिकट दिया है। भाजपा ने अब तक 58 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। नरेला से राज करण खत्री, तिमारपुर से सूर्य प्रकाश खत्री, मुंडका से गजेंद्र दराल, किराड़ी से बजरंग शुक्ला, सुल्तानपुर माजरा (अजा) से कर्म सिंह कर्मा, शकूर बस्ती से करनैल सिंह, त्रि नगर से तिलक राम गुप्ता, सदर बाजार से मनोज कुमार जिंदल, चांदनी चौक से सतीश जैन, मटिया महल से दीप्ति इंदौरा, बल्लीमारा से कमल बागड़ी, मोती नगर से हरीश खुराना, मादीपुर (अजा) से उर्मिला कैलाश गंगवाल, हरिनगर से श्याम शर्मा, तिलक नगर से श्वेता सैनी, विकासपुर से पंकज कुमार सिंह, उत्तम नगर से पवन शर्मा, द्वारका से प्रद्युम्न राजपूत, मटियाला से संदीप सहरावत, नजफगढ़ से नीलम पहलवान, पालम से कुलदीप सोलंकी, राजिंदर नगर से उमंग बजाज, कस्तूरबा नगर से नीरज बसोया, तुगलकाबाद से रोहतास बिधूड़ी, ओखला से मनीष चौधरी, कोंडली (अजा) सहित अन्य को पार्टी ने टिकट दिया है।

चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने केजरीवाला को घेरने का किया प्रयास

एक्साइज पॉलिसी से हुआ 2026 करोड़ रुपए का नुकसान : केंद्रीय मंत्री अनुराग

- बीजेपी ने आम आदमी पार्टी पर स्कूल बनाने के बजाय शराब की दुकानें खोलने का आरोप लगाया
- सीएम और डिप्टी सीएम समेत आठ मंत्री, पंद्रह विधायक और एक सांसद जेल गए

एजेंसी/तिरुपति

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर एक्साइज पॉलिसी का मुद्दा उठाया है। पार्टी ने दावा किया इससे राज्य के सरकारी खजाने को भारी राजस्व का नुकसान हुआ है। बीजेपी ने रद्द हो चुकी दिल्ली एक्साइज पॉलिसी का जिक्र करते हुए कहा कि कैग की लीक हुई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इससे सरकारी खजाने को 2026 करोड़ का नुकसान हुआ है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को घोटाले का सूत्रधार बताया। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आम आदमी पार्टी पर सत्ता के नशे और कुशासन का भी आरोप लगाया।

अनुराग ठाकुर ने कैग की लीक रिपोर्ट का हवाला देकर लगाए आरोप: केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में कथित शराब घोटाला हुआ है, जिससे खजाने को 2026 करोड़ का घाटा हुआ है। उन्होंने कैग रिपोर्ट के लीक पन्नों के आधार पर लगाया गया है। बीजेपी ने आम आदमी पार्टी पर स्कूल बनाने के बजाय शराब की दुकानें खोलने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने स्वच्छता की बात की लेकिन शराब पर आ गए। उन्होंने सुशासन की बात की लेकिन शराब पर आ गए।अनुराग ठाकुर ने कहा कि आम आदमी पार्टी का दस साल का सफर घोटालों और पापों से भरा है। सीएम और डिप्टी सीएम समेत आठ मंत्री, पंद्रह विधायक और एक सांसद जेल गए। स्वतंत्रता के बाद के भारत में ऐसा होना अभूतपूर्व है। आम आदमी पार्टी शराब घोटाला रचने में व्यस्त है। स्कूलों की जगह शराब की दुकानें घोटाले में शामिल एक मंत्री ने खोली हैं।

एक्साइज पॉलिसी केस का मुद्दा उठा आप को घेरा

अनुराग ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित घोटाले का सरगना करार दिया और कहा कि आबकारी नीतियों को मंजूरी के लिए विधानसभा के समक्ष पेश नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अगर शराब घोटाले का कोई सरगना है तो वह अरविंद केजरीवाल हैं। अगर किसी ने 2026 करोड़ का घाटा किया है तो वह अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी है। एक्साइज नियमों को मंजूरी के लिए विधानसभा के समक्ष पेश नहीं किया गया। सीएजी रिपोर्ट में सामने आए ये खुलासे किसी राजनीतिक दल ने नहीं जारी किए बल्कि एक ऐसी संस्था ने दिया है, जो जवाबदेही और शासन सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि चाहे वह शीशमहल हो या शराब घोटाला, इनसे मिले पैसों का जिक्र किया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि आप सत्ता के नशे में और कुशासन में डूबी हुई है।

आप ने कैग रिपोर्ट को बताया फर्जी, बीजेपी पर साधा निशाना

बीजेपी के आरोपों पर आम आदमी पार्टी ने करारा पलटवार किया। आप नेता प्रियंका कक्कड़ ने बीजेपी के आरोपों को खारिज किया। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि आज कुछ कागज लहराते हुए बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह सीएजी रिपोर्ट है। यह सीएजी रिपोर्ट है, जिसे सीएम ने अभी तक नहीं देखा है। न तो एलजी ने इसे देखा, न ही स्पीकर ने इसे देखा और न ही सीएजी की वेबसाइट पर उपलब्ध है, फिर रिपोर्ट उनके पास कहां से आई। यह वही कागज है जो बीजेपी अपने कार्यालय में बनाती है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि मुझे लगा कि शायद बीजेपी आगे आकर अवैध वोटर्स जोड़ने के मामले में सफाई देगी और बताएगी कि दिल्ली में नई विधानसभा का गठन कैसे होगा। कक्कड़ ने आगे कहा कि कथित घोटाले में केजरीवाल के खिलाफ एक पैसे का भी सबूत नहीं मिला। यह पीएमएलए कोर्ट के आदेश में स्पष्ट रूप से लिखा है, उसके बाद भी वही पुराने आरोप फिर से लगाए गए है। जो पूरी तरह से गलत व बेबुनियाद है।

छपरा में 32 लाख रुपए पीड़ित से लेने वाला इंस्पेक्टर गिरफ्तार

पीड़ित जमीन बिक्री के लिए ले जा रहा था रुपए

केटी न्यूज/छपरा

जिसके ऊपर आम जनता की सुरक्षा का दायित्व हो, अगर वही लुटेरा बन जाए तो फिर आम लोग क्या करेंगे। ऐसा ही एक मामला बिहार के छपरा से आया है, जहां सारण जिले के मकेर थाने के थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार ही लुटेरा बन 32 लाख रुपये लेकर पीड़ित को धमकी और गाली गलौज कर भगा दिया। लेकिन सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने तत्काल कार्रवाई करते हुए न सिर्फ रुपये की बरामदगी की, बल्कि आरोपी थाना प्रभारी और चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि 10 जनवरी की रात्रि को जिला मुख्यालय स्थित नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रौजा मोहल्ला निवासी स्व राजकुमार गुप्ता के पुत्र रोहन कुमार अपनी जमीन की बिक्री कर 64 लाख रुपये लेकर अपनी गाड़ी से मुज्जफरपुर जा रहा था। बीच रास्ते में ही मकेर थाने के थानाध्यक्ष और गाड़ी चालक ने गाड़ी रोक कर कहा कि शराब और गांजा ले जाने की सूचना है और गाड़ी को चेक करने लगा। लेकिन जब उसकी नजर नोटो से भरे दो बैग पर पड़ी तो उसकी नियत खराब हो गई। फिर क्या था अपना पुलिसिया रंग दिखाते हुए डरा धमका कर 32 लाख रुपयों से भरे बैग लेकर पीड़िता को भगा दिया। पीड़िता ने सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष से गुहार लगाई। एसपी ने तत्काल एक्शन लेते हुए मढ़ौरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से इसकी जांच करायी गई। जांच में सारी बातें खुलकर ामने आ गई। उक्त घटना सत्य पाते हुए इस मामले में संलिप्त मकेर थाने के थानाध्यक्ष पुलिस अपर निरीक्षक रविरंजन कुमार को पुलिस हिरासत में लिया गया है। इस संबंध में पीड़ित रोहन कुमार के फर्दब्यान के आधार पर दर्ज मकेर थाना प्राथमिकी दर्ज की गई है। अपर निरीक्षक सह मकेर थाने के थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई के विरूद्ध स्पष्टीकरण की मांग की गई है।

कन्नौज रेलवे स्टेशन पर निमार्णाधीन बिल्डिंग का लिंटर गिरा, कई मजदूर दबे

एजेंसी/कन्नौज

उत्तर प्रदेश के कन्नौज रेलवे स्टेशन पर एक निमार्णाधीन इमारत ढह गई। जिसके मलबे में दर्जनों मजदूर दब गए। यह घटना तब हुई जब स्टेशन पर सुंदरीकरण योजना के तहत दो मंजिला इमारत पर काम चल रहा था। हादसे के वक्त मौके पर करीब 35 कर्मचारी मौजूद थे। रेलवे, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में बचाव अभियान ने अब तक 23 श्रमिकों को मलबे से बचाने का दावा किया है। जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) शुभ्रांत

कुमार शुक्ल ने बताया कि शुरूआती जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब निमार्णाधीन छत की शटरिंग गिर गई। उन्होंने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता फंसे हुए श्रमिकों को बचाना है। हम बचाव प्रयासों के लिए अपने पास मौजूद सभी संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं। राज्य सरकार ने गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये और मामूली चोटों वाले लोगों को 5,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। पूर्वोत्तर रेलवे ने कहा कि राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। बचाव कार्य में सहायता के लिए लखनऊ से राज्य आपदा राहत बल को बुलाया गया है। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण भी मौके पर पहुंचे। मंत्री ने स कहा कि हादसे में अब तक 23 लोग घायल हुए हैं। उनमें से 20 को मामूली चोटें आईं, जबकि तीन को गंभीर चोटें आईं।

पैर पसार रहा चीनी वायरस, एक हफ्ते के भीतर गुजरात में चार मामले आए सामने

एजेंसी/अहमदाबाद

भारत में नए वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। देश में इसकी संख्या 13 तक पहुंच गई है, वहीं गुजरात में सबसे ज्यादा चार केस की पुष्टि हो चुकी है। इसमें तीन मामले राजधानी अहमदाबाद में सामने आए हैं। इसमे दो नवजात हैं, जिनकी उम्र एक साल से भी कम है। वहीं, संक्रमण का एक मामला 80 वर्षीय बुजुर्ग में भी पाया गया है। अस्थमा से पीड़ित इस मरीज का फिलहाल एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।नौ महीने के बच्चे में संक्रमण की पुष्टि सबसे नया केस सबरकांठा से सामने आया है, जहां एक नौ महीने के बच्चे में संक्रमण की पुष्टि हुई है। ये सभी मामले एक हफ्ते से भी कम समय में सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक, 6 जनवरी को बच्चे को सर्दी, खांसी और सांस लेने में तकलीफ के चलते शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 6 जनवरी को दर्ज किया गया पहला केस गुजरात में एचएमपीवी का पहला मामला 6 जनवरी को दर्ज किया गया था, जब राजस्थान के दो महीने के एक बच्चे में वायरल बीमारी पाई गई थी, जिसमें बुखार, नाक बंद होना, नाक बहना और खांसी जैसे लक्षण थे। यहां एक अस्पताल में इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

विवेकानंद जयंती पर युवा दोस्तों से मिलेंगे पीएम

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपना पूरा दिन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में प्रतिभागियों के साथ बिताएंगे। यह कार्यक्रम बिना किसी राजनीतिक संबंध वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के प्रयासों के तहत आयोजित किया जा रहा है। इसे राष्ट्रीय युवा दिवस के दिन आयोजित किया गया है। बता दें कि हर साल 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के मौके पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पीएम मोदी देशभर के 3,000 युवा नेताओं से मुलाकात करेंगें। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि भारत की युवा शक्ति को

श्रद्धांजलि। कल 12 जनवरी विशेष दिन है, क्योंकि इस दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती हैं। इस खास मौके पर मैं अपना पूरा दिन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025 में अपने युवा दोस्तों के साथ समय व्यतीत करूंगा। बातचीत और लंच के अलावा हम विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। पीएम मोदी ने आगे बताया कि जिन युवाओं से वे मिलेंगे उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवीनीकरण, संस्कार और अन्य चीजों में दिलचस्पी दिखाई। प्रधानमंत्री कई गतिविधियों में शामिल होंगे। बयान में बताया गया कि युवा नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण 10 विषयगत क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 10 पावर पॉइंट प्रस्तुतियां देंगे। रविवार को शुरू होने वाले कार्यक्रम में युवा नेता प्रतियोगिताएं, गतिविधियां और सांस्कृतिक और विषयगत प्रस्तुतियों में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के लिए कुल 3000 युवा नेताओं का चयन किया गया है।

नहान से पहले प्रयागराज स्थित संगम घाट पर कल्पवासियों का लगा तांता

कुंभमेला : रेती पर सजी विश्व की सबसे बड़ी तंबुओं की नगरी

- स्नान घाटों से लेकर संगम की सकुर्लेटिंग एरिया में बिजली-पानी के इंतजाम

विश्व की सबसे बड़ी तंबुओं की नगरी संगम की रेती पर सज गई है। शनिवार को हर दिशाओं से प्रयागराज आने वाले मार्गों पर लाखों कल्पवासियों के वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कल्पवासियों का रेला उमड़ने से पांटून पुलों से लेकर सड़कों तक तिल रखने की जगह नहीं बची। वाहन चींटी चाल भी नहीं चल पा रहे थे। इसी के साथ मेला खिल उठा है। पौष पूर्णिमा (13 जनवरी) के प्रथम स्नान पर्व की डुबकी के लिए

पूरा देश संगम की ओर रुख कर चुका है। रविवार से मास पर्यंत कल्पवास आरंभ होगा, लेकिन रेती पर बसने के लिए कल्पवासी शनिवार को दिन रात उमड़ते रहे।पांटून पुलों से लेकर चकर्ड प्लेट मार्गों तक तिल रखने की जगह नहीं बची। इसी के साथ विश्व के सबसे बड़े आयोजन के रूप में महाकुंभ गुलजार हो गया।ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर महीने भर की गृहस्थी लेकर लोग शिविरों में पहुंचने लगे हैं। पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ मास पर्यंत जप, तप, ध्यान का मेला आरंभ हो जाएगा। इसके लिए देश-दुनिया से कल्पवासी परिवार के साथ निकल पड़े हैं। इसी तरह जौनपुर, बलिया, देवरिया, आजमगढ़, वाराणसी, रीवा और बिलासपुर से काफी संख्या में कल्पवासी बांस, लकड़ी, पुआल के बीच गृहस्थी लादकर देर रात तक शिविरों में पहुंचते रहे। कल्पवासियों का कारवां चलने से पांटून पुलों से लेकर चकर्ड प्लेट मार्गों तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

सात करोड़ से अधिक लोगों के आने का अनुमान

मेला प्रशासन की ओर से पौष पूर्णिमा पर सात करोड़ से अधिक संतों, भक्तों, कल्पवासियों और अतिथियों का रेला उमड़ने का अनुमान है। सेंट्रल अस्पताल के अलावा हर सेक्टर में 20-20 बेड के अस्पताल बनाए गए हैं। महाकुंभ में आने वाले कल्पवासियों, श्रद्धालुओं के अलावा बसावट के काम में लगे मजदूरों और उनके परिवार वालों का इलाज भी शुरू हो गया है। गोरखपुर के लाल बाबा पत्नी और थाईलैंड से आए पुत्रों के साथ पूरे साजो-सामान के साथ देर शाम सेक्टर-18 में लगे प्रधान तीर्थ पुरोहित डॉ. प्रकाशचंद्र मिश्रा के शिविर में पहुंचे। वहीं, देवरिया से राम रतन तिवारी, सुभाष पांडेय गृहस्थी के साथ लंबी मशक्कत के बाद देर रात अपने कल्पवासी शिविर में पहुंचे। कल्पवासियों के आगमन के साथ ही रेती पर बसी विश्व की सबसे बड़ी और अद्भुत तंबुओं की नगरी गुलजार हो गई है। मेला प्रशासन भी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है, वहीं कल्पवासी रेती पर अपनी गृहस्थी सजाने में जुट गए हैं।

बोले उपराष्ट्रपति धनखड़... पेपर लीक करने की इंडस्ट्री बन गया है भारत

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामले पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पेपर लीक एक तरह व्यापार बन गया है और इस पर रोक लगनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि छात्र-छात्राएं महीनों तक तैयारी करते हैं, लेकिन जब पेपर लीक होता है तो वह उनके लिए एक बड़ा झटका होता है, जो बेहद निराशाजनक है। उपराष्ट्रपति ने केंद्र की मोदी सरकार की ओर से लाए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 की तारीफ की। हालांकि, उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि मैं सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 के संबंध में सरकार की ओर से की गई पहल की सराहना करता हूं। छात्रों को अब दो डर का सामना करना पड़ रहा है। पहली है परीक्षा का डर और दूसरी पेपर लीक होने का डर। जगदीप धनखड़ ने कहा है कि अगर पेपर लीक होते हैं तो चयन की निष्पक्षता का कोई मतलब नहीं रह जाता। पेपर लीक होना एक इंडस्ट्री बन गई है एक तरह का व्यापार बन गया है।

बोले सीएम... दरभंगा एम्स के पास जल्द बनाया जाएगा फोर लेन सड़क

सीएम ने किया दरभंगा में वृहद आश्रय गृह का किया उद्घाटन

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के क्रम में दरभंगा पहुंचकर वृहद आश्रय गृह व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने जीविका दीदियों एवं टोला सेवकों के साथ मुलाकात की। यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, विजय चौधरी, संजय झा सहित कई अन्य मंत्री व नेता साथ थे। इस अवसर पर एनडीए कार्यकताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। वहीं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखने आए लोगों ने 2 हजार करोड़ से अधिक की राशि जिला को देने के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विशेष हेलीकॉप्टर से सिंहवाड़ा प्रखंड के भराठी पहुंचकर वृहद आश्रय स्थल का लोकार्पण कर प्रगति यात्रा की शुरूआत की। जिसके बाद सिमरी के चंदसार में मत्स्य विपणन कीट तथा मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्यों से मुलाकात कर, पंचायत सरकार भवन परिसर में सात निश्चय संबंधी विभिन्न योजनाओं का अवलोकन एवं निरीक्षण किया। वहीं मध्य विद्यालय सिमरी स्थित केजीबीवी के भवन का लोकार्पण कर पोषण वाटिका का निरीक्षण किया। जिसके बाद मुख्यमंत्री सिमरी हाई स्कूल के परिसर में विभागीय योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास व उद्घाटन कर विभागों के स्टॉल का निरीक्षण कर जीविका दीदी, टोला सेवक, विकास मित्र आदि से मिले। वहीं 12 बजे दरभंगा अंतरराष्ट्रीय व अंतरराज्यीय बस पड़ाव स्थल के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव का निरीक्षण कर कई निर्देश दिए। जिसके बाद हराही तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन किया। वहीं शहर की जाम की समस्या को निजात दिलाने के लिए दोनार चौक का अवलोकन कर कपूरी चौक पर जाम की समस्या को लेकर डिजाइन का अवलोकन किया। जिसके बाद एसएसपी कार्यालय के नए भवन का लोकार्पण कर 2 बजे जिला स्तरीय समीक्षातात्मक बैठक कर दरभंगा से प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि दरभंगा जिले में विकास का काफी काम कराया है फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गई है उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शोभन बाईपास जिस पर प्रस्तावित एम्स का निर्माण हो रहा है, और यहां चार लेन पथ के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे एम्स आने-जाने वाले पथ में जाम की समस्या नहीं रहेगी। इसके अलावा बाबा कुशेश्वरस्थान का सौंदर्यीकरण एवं विकास किया जाएगा, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना, स्नान, ठहराव आदि में सहूलियत होगी जिससे पर्यटक स्थल के रूप में इस स्थान को बढ़ावा मिलेगा।

दरभंगा में सड़कों का हुआ विकास

मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि दरभंगा शहर के दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तक दरभंगा-आमस हाईवे से एलिवेटेड रोड की संपर्कता प्रदान की जाएगी, जिससे डीएमसीएच जाने वाले लोग शहर में प्रवेश किए बिना ही सीधे वहां पहुंच जाएंगे। दिल्ली मोड़ स्थित बस अड्डे को अंतर्राज्यीय बस पड़ाव के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे दरभंगा हवाई अड्डा आस-पास के जिलों से आने-जाने वाले यात्रियों के अलावा शोभन में प्रस्तावित एम्स के निर्माण के उपरांत इलाज के लिए आने वाले मरीजों को भी काफी सुविधा होगी। इसके अलावा दरभंगा स्थित गंगासागर, हड़ाही एवं दिग्धी तालाब को और सुंदर बनाया जाएगा। दरभंगा में मुख्यमंत्री ने दरभंगा शहर के दोनार चौक के पास आरओबी निर्माण के स्थल का निरीक्षण किया और इसका निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने मिथिला शोध संस्थान का आधुनिकीकरण एवं संरक्षण का कार्य कराने का भरोसा दिया। विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की बैठक।

भीषण सड़क हादसे में देवर-भाभी की दर्दनाक मौत

गया। गया में एक भीषण सड़क हादसे में देवर-भाभी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्वजनों में कोहराम मच गया। घटना टिकारी-मऊ मुख्य मार्ग पर चिरैली मोड़ के पास की है। मृतकों की पहचान कुर्था थाना क्षेत्र के टाली गांव निवासी सुखलाल साव के पुत्र मुकेश कुमार (30) और शंभु साव की पत्नी उषा कुमारी (28) के रूप में हुई है। घायल बच्चा शंभु साव का 12 वर्षीय पुत्र है, जिसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। मृतक उषा कुमारी और मुकेश कुमार रिश्ते में देवर-भाभी थे। घटना के समय वे अपने गांव से टिकारी स्थित किराए के मकान पर लौट रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार चारा लदे बड़े वाहन और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई।

घर में सो रहे बुजुर्ग दंपति की धारदार हथियार से गला रेत कर निर्मम हत्या

- अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के तार मठिया गांव में शुक्रवार की रात घटी घटना

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के तार मठिया गांव में शुक्रवार की रात बुजुर्ग दंपति की धारदार हथियार से गाल रेत कर निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। बुजुर्ग दंपत्ति की निर्मम हत्या की घटी इस घटना के बाद गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। हालांकि घर में सो रहे दंपति बुजुर्ग की हत्या किसने और क्यों की। यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार मृतक दंपत्ति अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के तार मठिया गांव वार्ड नंबर 7 निवासी 70 वर्षीय श्री गिरी उर्फ श्रीभगवान गिरी एवं 65 वषीर्या उनकी पत्नी शिव कुमारी देवी है। मृतक श्रीगिरी उर्फ. श्रीभगवान गिरी पूजा-पाठ कराने का काम करते थे। उधर घटना की सूचना मिलते ही एसपी परिचय कुमार,पीरो प्रभारी डीएसपी अबू सैफी मुतुर्जा,पीरो सर्किल इंस्पेक्टर मुकेश कुमार एवं अगिआंव बाजार थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस द्वारा एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। सूचना पाकर एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य को संकलन किया। बताया जाता है कि मृतक दंपति को तीन पुत्री तेतरा देवी,रबिता देवी,रिंकू देवी व दो पुत्र सुरेश गिरी एवं उमेश गिरी है। बड़ा बेटा सुरेश गिरी गांव में ही किराना दुकान चलाता है। जबकि छोटा बेटा उमेश गिरी उड़ीसा के रावल किला में ट्रक चलाता है।

अवैध शराब पार्टी का भंडाफोड़, वार्ड प्रतिनिधि समेत 41 गिरफ्तार

नालंदा। लहेरी थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नालंदा को गुप्त सूचना मिली थी कि होटल में अवैध शराब पार्टी के साथ जुआ और डीजे पर नृत्य का कार्यक्रम चल रहा है। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सदर के एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कई ब्रांडेड शराब की बोतलें बरामद कीं, जिनमें ब्लेंडर्स प्राइड और जॉनी वॉकर रेड लेबल शामिल हैं। बरामद की गई अधिकांश बोतलें पश्चिम बंगाल में बिक्री के लिए निर्धारित थी।

बीपीएससी पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पप्पू यादव ने किया बिहार बंद का आह्वान

केटी न्यूज/पटना

पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे छात्रों के समर्थन में 12 जनवरी को बिहार बंद का आह्वान किया है। पटना में शनिवार को कहा कि बीपीएससी परीक्षा अब मुद्दा नहीं है। मुद्दा है देश की परीक्षाओं का पेपर लीक होना। आज बीपीएससी, कल सिपाही भर्ती, परसों क्लर्क परीक्षा, तरसों मेडिकल परीक्षा का पेपर लीक होना। हाल-फिलहाल में ही मेडिकल परीक्षा से संबंधित कागजात और जले एडमिट कार्ड जदयू विधायक के भतीजे के कमरे से मिले हैं। जो भी पेपर लीक हो रहा है, चाहे वो संजीव मुखिया हो या कोई परीक्षा माफिया हो, माफियाओं का रिश्ता किसी न किसी बड़े नेताओं या उनके रिश्तेदारों से रहा है। पप्पू यादव ने कहा कि भविष्य की सभी परीक्षाओं में बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने की साजिश रची जा रही है। बिना सरकार और पदाधिकारियों के मिलीभगत से पेपर लीक नहीं हो सकता है। इसलिए हम लोग, चंद्रशेखर रावण की पार्टी, ओवैसी की पार्टी और सांसद हनुमान बेनीवाल ने समर्थन का निर्णय लिया है। 31 मार्च से जो सदन चलेगा, उसमें हम लोग नहीं चलने देंगे। हम लोग चाहेंगे कि सदन में इसकी व्यापक चर्चा हो।उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि देश में पेपर लीक कब बंद होगा। बीपीएससी के चार लाख अभ्यर्थियों के आंदोलन को कुछ राजनीतिक दलों और कोचिंग माफियाओं और कुछ एजेंट टाइप के लोगों द्वारा कमजोर किया गया।

राज्यपाल से मिलकर जनसुराज के प्रतिनिधि मंडल ने रखी बीपीएससी छात्रों की मांगें

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज पार्टी की सूत्रधार प्रशांत किशोर बीपीएससी छात्रों की मांगों को लेकर 2 जनवरी से लगातार आमरण अनशन पर हैं। इस दौरान 6 जनवरी को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी किया और शाम तक कोर्ट से जमानत भी दे दी गई। 7 जनवरी की सुबह प्रशांत किशोर की तबियत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल के क्ळव वार्ड में भर्ती कराया गया। इस कड़ी में आज यानी की 11 जनवरी को करीब साढ़े 5 बजे जन सुराज पार्टी का प्रतिनिधिमंडल, पार्टी अध्यक्ष मनोज भारती के नेतृत्व में राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी अध्यक्ष मनोज भारती, किशोर कुमार, सरवर अली, सीताराम यादव, ललन यादव, एन.पी मंडल, अरविंद सिंह शामिल थे। राज्यपाल से मुलाकात के बाद मनोज भारती ने मीडिया से बातचीत की और बताया कि हमने छात्रों के आंदोलन से संबंधित सारी बातों से अवगत कराया उन्होंने हमारी बातों को ध्यान से सुना और हमारे ज्ञापन को शुरू से अंत तक अच्छे से पढ़ा। राज्यपाल ने हमसे सबसे पहला सवाल किया कि प्रशांत की तबियत कैसी है हमने उन्हें बताया कि वह क्ळव में थे और अभी उन्हें आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। लेकिन अभी भी उनका अनशन जारी है। यह सुनने के बाद महामहिम राज्यपाल जी ने अपील की, प्रशांत किशोर अपना अनशन तोड़ दें। आगे अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा जहां तक हमारी और छात्रों की मांगों का सवाल था, उन्होंने कहा कि ये मांगे जायज लगती हैं और छात्रों के शिष्टमंडल को मुख्यमंत्री से मिलवाया जा सकता है। लेकिन उन्होंने प्रशांत किशोर के स्वास्थ को मद्देनजर रखते हुए उन्हें अनशन तोड़ने की अपील की।

सिपाही भर्ती परीक्षा में 11 अभ्यर्थी गिरफ्तार

पटना। केंद्रीय चयन पर्षद 9 दिसंबर से बिहार सिपाही भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा ले रही है। यह परीक्षा पटना के गर्दनीबाग स्थित शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय (पटना हाई स्कूल) में हो रही है। इस परीक्षा में पुलिस ने 16 फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया है। इस परीक्षा में कोई अभ्यर्थी दूसरे के बदले परीक्षा देने आया था तो कोई खुद दूसरी बार परीक्षा दे रहा था। गिरफ्तारी फिजिकल टेस्ट में बायोमेट्रिक मिलान के दौरान पकड़े जाने के बाद हुई। पुलिस का कहना है कि पुलिसिया पूछताछ पर यह पता चला कि किसी अभ्यर्थी ने दूसरे को अपनी जगह बैठा कर लिखित परीक्षा दिलवाई, तो कोई अभ्यर्थी गलत नाम पर परीक्षा देने के दौरान पकड़ा गया। गिरफ्तार किये गये अभ्यर्थियों कई जिलों के है।

सूबे में सड़क सुरक्षा माह का आयोजन राज्य में 31 जनवरी तक होगा

परिवहन विभाग का ट्रैफिक रूल तोड़ने वालों पर कड़ी नजर, सभी जिलों में चलेगा विशेष वाहन जांच अभियान

केटी न्यूज/पटना

सूबे में 31 जनवरी तक पूरे माह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान जिलों में विभिन्न जागरुकता कार्यक्रमों के साथ थीम बेस्ड विशेष वाहन जांच अभियान चलाया जायेगा। जिलों में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले और सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले गुड सेमेरिटन सम्मानित किये जायेंगे। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार इस बार पूरे माह सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है।

जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन: परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह का आयोजन राज्य में 31 जनवरी तक किया जा रहा है। यह माह सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न जिलों में जागरूकता कार्यक्रमों, विशेष वाहन जांच अभियानों और स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। थीम बेस्ड चलेगा वाहन जांच अभियानएनएच, एसएच पर विशेष वाहन जांच अभियान का आयोजन किया जाएगा। हर सप्ताह अलग-अलग थीम पर जांच अभियान चलाया जाएगा। हेलमेट-सीटबेल्ट, ओवर स्पीडिंग, नाबालिग द्वारा वाहन चालन, फिटनेस, परमिट, प्रदूषण जांच, प्रेशर हॉर्न/मल्टी ट्यून हॉर्न, आदि विषेष जांच अभियान का आयोजन जिला स्तर पर किया जाएगा। इस दौरान सड़क सुरक्षा नियम के उल्लंघनकताओं पर कार्रवाई की जाएगी।

होर्डिंग, बैनर और जिंगल के माध्यम से जागरुकता: सड़क सुरक्षा माह के दौरान होर्डिंग्स और बैनर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। सभी जिलों के मुख्य स्थानों पर सड़क सुरक्षा जागरुकता होर्डिंग लगाए जायेंगे। पूरे माह तक लगातार विभिन्न रेडियो चौनलों पर सड़क सुरक्षा पर बने जिंगल का प्रसारण किया जाएगा। सड़क सुरक्षा माह के दौरान बस, ऑटो और ट्रक के वाहन चालकों के स्वास्थ्य जांच के साथ नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। जांच के बाद जरूरतमंद ड्राइवर के बीच मुफ्त में चश्मा का भी वितरण किया जाएगा। परिवहन सचिव ने निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिलों बस, आटो, ट्रक के वाहन चालकों के आंखों की जांच की जाएं एवं जांचोपरांत आवश्यकतानुसार उन्हें निःशुल्क चश्मा दिया जाए।

हादसा: रोहिनी भान में ट्रक के धक्के से युवक की मौत, विरोध में तीन घंटे तक स्टेट हाइवे जाम

♦ पत्नी को बस पकड़ाने के बाद छूटे मोबाइल को पंहुचाने जा रहा था मृतक, हुआ हादसे का शिकार

केटी न्यूज/चौसा

राजपुर थाना क्षेत्र के चौसा मोहनिया मार्ग स्थित रोहिनी भान के पास तेज रफ्तार ट्रक के धक्के से एक 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। दूसरी तरफ आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर चौसा-मोहनिया पथ पर नागेन्द्रपुर के पास सड़क जाम कर दिया।

सड़क जाम की सूचना पर मुफस्सिल व राजपुर थाने की पुलिस पहुंच आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। घटना की जानकारी पर पहुंचे बीडीओ अशोक कुमार के समझाने व मुआवजा दिए जाने के आश्वासन के बाद सड़क जाम हटाया गया। लगभग तीन घंटे सड़क जाम से दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई।

पत्नी को स्कॉलरशिप का फॉर्म भरने जाना था आराः दुर्घटना शनिवार की सुबह सात बजे की है। डिहरी पंचायत के खरगपुरा निवासी मुस्लिम अंसारी का पुत्र सद्दाम अंसारी अपनी पत्नी राफियत बेगम को बस पकड़ाने नागेन्द्रपुर आया था। पत्नी को स्कॉलरशिप का फॉर्म भरने आरा जाना था जिसे बक्सर के लिए बस पकड़ाने आना पड़ा। जहां पत्नी को बस पकड़ाने के बाद पत्नी का मोबाइल छूट गया। जिसे देने के लिए बाइक से जा रहा था। इसी बीच चौसा से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे ठोक दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, ट्रक चालक ट्रक ले फरार हो गया। इस घटना की जानकारी के बाद घर मे कोहराम मच गया। पत्नी भी बीच रास्ते से वापस लौट आयी। आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा मुआवजा की मांग को लेकर चौसा-मोहनिया हाइवे को जाम कर दिया। इस घटना की सूचना पर राजपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार व मुफस्सिल पुलिस, पुलिस बल के साथ पहुंच आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास शुरू किया गया। वही, घटना की सूचना पर चौसा बीडीओ अशोक कुमार पहुंच लोगों को समझाया व मुआवजा दिए जाने का आश्वासन के बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया। लगभग तीन घंटे सड़क जाम से वाहनों की कतार लग गई थी। पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

कबीर अंत्येष्टि की राशि उपलब्ध कराई गई : इस संबंध में बीडीओ अशोक कुमार ने बताया कि अभी मृतक के परिजनों को कबीर अंत्येष्टि की राशि उपलब्ध कराई गई। साथ ही पारिवारिक लाभ खाते में दिए जाने का आश्वासन के साथ आगे कागजी कोरम पूरा होने पर आपदा के तहत मिलने वाले सरकारी सहायता दिलाये जाने का आश्वासन दिया गया है।

दो बेटियों के सर से उठा पिता का साया

मृतक सद्दाम के सिर्फ दो बेटियां है। एक चार वर्षीय हुनैरा व दूसरी दो वर्षीय ताहिरा। जिनके सर से पिता का साया उठ गया है। हालांकि, पारिवारिक दृष्टि से सद्दाम मामूली परिवार से ताल्लुक रखता था। वह अपने परिवार का मुखिया था, जो गैराज में रहकर परिवार का जीविकोपार्जन करता था। अब जब वह नहीं रहा तो उसके परिवार दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा है। हालांकि वह अपनी पत्नी को पढ़ा लिखाकर काबिल बनाना चाहता था, ताकि उसके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधर सके। लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था।

डुमरांव में एक दिन का शो साबित हुआ अतिक्रमण के खिलाफ नप के द्वारा चलाया गया अभियान

मैनेज का खेल या सिस्टम फेल: दूसरे दिन ही सड़क पर काबिज हुए अतिक्रमणकारी, नहीं है नप का खौफ

♦ शहर के कई हिस्सों में नहीं हटाया गया अतिक्रमण, सिर्फ बाजार तक सिमटी कार्रवाई

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर नगर परिषद द्वारा शहर के स्टेशन रोड व राजगोला रोड, चौक रोड, राजगढ़ चौक, जंगल बाजर आदि इलाकों में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया था। इस दौरान फुटपाथी दुकानदारों से लेकर स्थानीय दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को जेसीबी से तोड़ बाजार के इलाके को अतिक्रमणमुक्त किया गया था, लेकिन नगर परिषद के इस कार्रवाई का मात्र कुछ घंटे ही असर दिखा। आलम यह था कि दोपहर में नप प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया गया तो शाम में फिर से फुटपाथी दुकानदार स्टेशन रोड व राजगोला रोड में काबिज हो गए।

शनिवार को तो अतिक्रमणकारी पहले जैसी स्थिति में आ गए है। स्टेशन रोड व राजगोला रोड में सड़क के दोनों किनारे ठेला व खोमचा पर फल, सब्जी तथा अन्य सामान बेचने वाले अपनी दुकान सजा लिए थे। स्टेशन रोड में अस्पताल मोड़ से साफाखाना मोड़ तक नगर परिषद द्वारा लगाए गए बैरियर को पार कर कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें सजा ली थी। इस दौरान नगर परिषद प्रशासन का कही पता नहीं चला। नगर परिषद का यह अभियान मात्र एक दिन का शो साबित हुआ। वही, शहर के कई ऐसे इलाके है जो नगर परिषद द्वारा चलाए गए अभियान से अछूते रह गए। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है।

अतिक्रमणकारियों के फिर से काबिज होने से लोग कई तरह की बातें कर रहे है, लोगों ने सवाल उठाते हुए कहा कि या तो यहां का सिस्टम ही फेल है या फिर यह मैनेज का खेल है कि आगे-आगे नप प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया गया और पीछे से अतिक्रमणकारी काबिज हो गए। लोगों का कहना है कि यदि नगर परिषद प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों पर सख्ती दिखाई होती तो इतना जल्दी उनके फिर से अतिक्रमण करने की हिम्मत नहीं होती है।

अतिक्रमण व जाम का खुद कारण बन रहा है नगर परिषद : जानकारों का कहना है कि खुद नगर परिषद की नीतियां भी अतिक्रमण व जाम का कारण बन रही है। जदयू के नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता का कहना है कि शहर में वर्षों से वेंडिंग जोन का मामला पेंडिंग में पड़ा है। उन्होंने कहा कि यदि नगर परिषद प्रशासन वेंडिंग जोन बना देता तो फुटपाथियों को सड़क किनारे दुकान लगाने की नौबत नहीं आती। वही, युवा नेता दीपक यादव, शक्ति राय आदि ने बताया कि स्टेशन रोड में नगर परिषद द्वारा वर्षों पूर्व सड़क के किनारे लोहे का बैरियर बना दिया गया है। यह बैरियर भी जाम का कारण बन रहा है। फुटपाथी संघ के नेतृत्वकर्ता मिंटू हॉशमी, राजेन्द्र पाल आदि ने कहा कि नप प्रशासन जानबूझकर फुटपाथियों को टारगेट कर रही है। नप प्रशासन का मकसद उनकी समस्याओं का समाधान करना नहीं, बल्कि सिर्फ उन्हें परेशान करना है। यही कारण है कि अबतक वेंडिंग जोन का निर्माण अधर में लटका हुआ है।

शहर के कई इलाकों में नहीं पहुंची नगर परिषद की टीम

शुक्रवार को अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए अभियान में नगर परिषद की टीम शहर के कई इलाकों में नहीं पहुंच सकी। मसलन साफाखाना रोड, हाथी खाना रोड, नया तालाब रोड के अलावे स्टेशन रोड में नया थाना से रेलवे स्टेशन तक एक बड़े इलाके में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान ही नहीं चलाया गया। जबकि साफाखाना रोड में हर समय अतिक्रमण के चलते जाम लगा रहता है। वही, नया थाना से रेलवे स्टेशन के पास स्थित पंच मंदिर तक की सड़क के किनारे भी कई लोगों ने चाट को अतिक्रमण कर अपना व्यवसायिक प्रतिष्ठान तथा अन्य दुकानें खोल ली है। इसमें नगर परिषद कार्यालय के करीब भी कुछ लोगों द्वार सरकारी चाट का अतिक्रमण किया गया है, जबकि स्टेशन रोड में ही महाराजा पेट्रोल पंप के पास एक पंक्चर बनाने वाले ने चाट में ही अपनी दुकान के साथ ही अस्थायी आशियाना भी बना लिया है। जिस जगह पर उसकी दुकान व आशियाना है, उसके ठीक बगल में एक ट्रांसफार्मर भी लगा है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। वही, पेट्रोल पंप के आस पास ही कई लोग सड़क किनारे अवैध रूप से खुले में कटे मांस व मुर्गे की बिक्री कर रहे है। स्थानीय निवासी संटू मित्रा, मंटू सिंह, बब्लू पांडेय आदि का कहना है कि नगर परिषद प्रशासन को इस इलाके में भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए।

फुटपाथ पर कब्जा करने वाले बेखौफ

मामले को लेकर भाजपा के युवा नेता दीपक यादव ने कहा कि शहर में अतिक्रमण के कारण जाम से आमजन जूझ रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि अतिक्रमण और अवैध कब्जा करने वालों में नगर परिषद प्रशासन का कोई भी डर नहीं है। जिसके कारण अतिक्रमण हटाने के बाद भी उनके द्वारा दोबारा कब्जा कर लिया जा रहा है। वहीं, कई बड़े संस्थान और प्रतिष्ठान द्वारा सेटिंग-गेटिंग का खेल कर अपने द्वारा किए गए अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं होने देते। गोला रोड, सफाखाना रोड आदि कई इलाके हैं, जहां पर नप द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सख्त कार्रवाई की जाएगी

" दुबारा अतिक्रमण किए जाने की जानकारी नहीं मिली है। जिन जगहों से अतिक्रमण हटाया गया है, यदि वहां फिर से अतिक्रणकारी काबिज हुए होंगे तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, फुटपाथ पर कब्जा करने वालों को भी चिह्नित किया जाएगा। नप इलाके को अतिक्रमणमुक्त रखना हमारी प्राथमिकता है।

– मनीष कुमार, ईओ, नगर परिषद, डुमरांव

एक नजर

जिला कल्याण पदाधिकारी ने डुमरांव के अदफा में किया निर्माणाधीन अतिपिछड़ा छात्रावास का निरीक्षण

बक्सर। जिला कल्याण पदाधिकारी अरविन्द कुमार ने शनिवार को डुमरांव प्रखंड के अदफा में निर्माणाधीन पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कन्या प्लस 2 आवासीय विद्यालय तथा महदह बक्सर में निर्माणाधीन डॉ. भीमराव अम्बेडकर $2 आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि अदफा में 47.47 करोड़ रुपए की लागत से 52 बेड वाला पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कन्या प्लस 2 आवासीय विद्यालय निमार्णाधीन है। इसका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद जिले के सभी पिछड़ा एवं अति पिछड़ा समुदाय की बच्चियां लाभान्वित होगी। वर्ग छह से 12 तक की पढ़ाई आवासीय विद्यालय के तर्ज पर होगी। जिसमें आवास, भोजन एवं अन्य सुविधाएं सरकार द्वारा मुहैया कराई जायेगी। छात्राओं को पोशाक, किताब हेतु राशि डीबीटी के माध्यम से दी जायेगी। वर्तमान में अस्थाई रूप से यह विद्यालय महदह के अति पिछड़ा आवासीय कन्या छात्रावास में संचालित है। जिसमें केवल वर्ग छह से वर्ग नौ तक वर्ग संचालित हो रहा है। लेकिन, सत्र 2025-26 से वर्ग छह से वर्ग 10 तक का नामांकन लिया जाना है। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के उत्थान के लिए महदह में 720 बेड का डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय निमार्णाधीन है। इसमें वर्ग एक से 12 तक के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए नामांकन की सुविधा होगी। इसमें आवास, भोजन, ड्रेस आदि की सुविधा निःशुल्क रहेगी।

नावानगर में आयोजित हुआ रोजगार मेला, शिविर में 207 को मिला नियुक्ति पत्र

नावानगर। प्रखंड कार्यालय में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत शनिवार को रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। रोजगार मेला का विधिवत उद्घाटन प्रखंड प्रमुख नावानगर अंकित कुमार यदुवंशी, प्रखंड विकास पदाधिकारी नावानगर, डीपीएम जीविका बक्सर, सीएलएफ जीविका, मुखिया आथर, मुखिया अतिमी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। रोजगार मेला में युवाओं के नियोजन के लिए एसआईएस सिक्यूरिटी लिमिटेड, अरविंद मिल्स शिवशक्ति बायोटेक, एडवांटेज इंडिया, कॉलोरास जर्सी, जोमैटो, कीवीज क्रैप टाटा ग्रुप, हेल्थ केयर, गोकुलदास एक्सपोर्ट, ओमकार मैनपॉवर, फीन इंडिया सहित 13 कम्पनियां शामिल हुई। रोजगार मेला में नियोजन हेतु सैकड़ों की संख्या में युवक-युवती पहुंचे। मेले में कुल 1680 युवक-युवतियों ने अपना निबंधन कराया। 207 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया एवं 306 अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा काउंसलिंग कर नियुक्ति पत्र दिया जायेगा। 344 बच्चों को रोजगार जीविका के माध्यम से दिया जा चुका है। बक्सर जिला से जीविका के माध्यम से चयनित अभ्यर्थी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जीविका के जिला तथा प्रखंड के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

सभी स्कूल और कॉलेजों में 15 से 21 जनवरी तक मानेगा भूकंप सुरक्षा सप्ताह

केटी न्यूज/केसठ

भूकंप एक गंभीर आपदा है। इससे बचाव और जानमाल को होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक होना जरूरी है। इसको ले प्रशासी पदाधिकारी शाहजहां ने पत्र जारी कर 15 से 21 जनवरी तक भूकंप सुरक्षा सप्ताह मनाने का निर्देश जारी करते हुए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है।

इसके तहत जिले के सरकारी स्कूलों व कॉलेजों में विद्याथीयों को भूकंप से सुरक्षा को लेकर 15 जनवरी से 21 जनवरी तक भूकंप सुरक्षा सप्ताह को ले कई कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। इस दौरान होने वाले कार्यक्रमों में भूकंप सुरक्षा सप्ताह में जन जागरूकता, गोष्ठी, मॉक ड्रिल, लेखन व प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। ताकि बच्चें अपने आस पास के लोगों को भी भूकंप के दौरान कैसे बचाव करे। इसकी जानकारी दे सकेंगे या अपना बचाव कर सकेंगे। वही भूकंप सुरक्षा सप्ताह के दौरान होने वाले कार्यक्रमों का फोटो विभाग के वेव साइट पर 10 फरवरी तक भेजना सुनिश्चित करेंगे।

डुमरांव नप की बैठक में 83 योजनाओं को मिली स्वीकृति

♦ नाला-नाली की उड़ाही के साथ ही डोर टू डोर सफाई पर जोर

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में सशक्त स्थायी समिति की बैठक पिछले 3 जनवरी 2025 को हुई बैठक में लिये गए कार्य योजना की समीक्षा की गई। फिर उस पर वार्ड पार्षदों के द्वारा जमकर बहस हुई। कुछ आलोचना का शिकार हुआ योजना तो कुछ सही करार दिया गया। फिर जिस पर आलोचाना की गई तो उस बहस करते हुए जरूरी समझ पास किया गया। फिर सफाई को लेकर निविदा निकाले जाने पर क्या-क्या जरूरी है, उसी के अनुसार सही हो उसी को निविदा दी जाएगी। फिर डंपिंग यार्ड में नगर से उठाए गए कचरे को डालने की बात पार्षदों के द्वारा कहा गया। कुल मिलाकर 33 नियम व शर्तों का अनुमोदन किया गया। बैठक में सभी वार्ड पार्षदों से योजनाओं की जानकारी ली गई। सभी ने अपने वार्डों की योजनाओं को चेयरमैन सुनीता गुप्ता, उप चेयरमैन विकास ठाकुर, ईओ मनीष कुमार के साथ नये सीटी प्रबंधक के समक्ष रखा। वहीं, वार्ड पार्षदों द्वारा कुल 82 योजनाओं पर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।

जितनी योजनाएं स्वीकृति के लिये वार्ड पार्षदों के पास रखा गया, सभी पर प्राक्कलन राशि भी दिखाई गई थी। हर वार्ड में एक से दो योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई। कुछ वार्ड ऐसे थे, जिसमें तीन योजनाओं को स्वीकृति दी गई। स्वीकृत की गई योजनाओं में सभी 15 लाख से नीचे की योजनाएं है, जिसका निविदा निकालने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। सभी को विभागीय कार्य कराकर शीघ्र ही आम जनता के लिये खोल दिया जाएगा। विस्तारित क्षेत्र के पुराना भोजपुर और नया भोजपुर ऐसे दो गांव है, जहां के कई वार्ड ऐसे हैं, जहां वर्षों से नाली, गली और सड़क के लिये लोग तरस रहे थे। उस पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बनेंगे पीसीसी सड़क : फोरलेन मेन रोड न. दो अजय सिंह, रवीन्द्र चौबे के घर होते हुए तेजनारायण राय के घर तक पीसीसी रोड बनेगा, जिसकी प्राक्कलन राशि 1498795 रुपये है। उसी तरह से वार्ड नंबर 26 व सात के लिए पांच योजनाओं को पास किया गया। बैठक में चेयरमेन सुनीता गुप्ता, उप चेयरमेन विकास ठाकुर, ईओ मनीष कुमार के साथ सभी वार्ड पार्षद मौजूद रहे।

बक्सर किला मैदान में 19वीं फेज मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शानदार शुभारंभ

उद्घाटन मुकाबले में गया ने भोजपुर को दी करारी शिकस्त

♦ पूर्व आईपीएस विकास वैभव के साथ डीएम, एसडीएम व ईओ समेत गणमान्य लोगों ने किया मैच का उद्घाटन

केटी न्यूज/बक्सर

19वीं फैज मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का शानदार आगाज स्थानीय किला मैदान शनिवार को किया गया। उद्घाटन कर्ता सह मुख्य अतिथि डीएम अंशुल अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि विकास वैभव आईजी, धीरेंद्र मिश्रा अनुमंडल पदाधिकारी, आशुतोष गुप्ता कार्यपालक पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा अतिथि खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं गेंद को बल्ले से हिट करके किया। इसके बाद राष्ट्रगान व बक्सर के कुछ प्रमुख व्यक्तियों स्व. राजेन्द्र पाड़ये, स्व. बैजनाथ केशरी, स्व. राजकमल सिंह एवं स्व. मेहरून खातुन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 1 मिनट का मौन रखा गया।

मैच के दौरान मंच पर शहर के प्रमुख बुद्धिजीवी के साथ राजद जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मनोज पाण्डेय, रेडक्रॉस सचिव डॉ. श्रवण तिवारी, भाजपा उपाध्यक्ष मनोज पाण्डेय, संजय सिंह राजनेता, इंद्रप्रताप सिंह, डॉ. तनवीर फरीदी, डॉ. महेंद्र प्रसाद, डॉ. आशुतोष सिंह, सत्यदेव, सेठ छन्नू लाल, नंदू जायसवाल, विश्वदेव प्रसाद, रामस्वरूप अग्रवाल, बुलबुल भैया, मनोज राय, राजीव सिंह, पिंटू सिंघानिया, निशु राय, नंदू पाण्डेय, अरबिंद चौबे इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित थे । टूनार्मेंट के प्रायोजक पहवा होंडा एवं माखनभोग हीरो ने कई आकर्षक पुरस्कार एवं दोनों अंपायर को हेलमेट प्रदान किया।

गया व भोजपुर के बीच खेला गया उद्घाटन मुकाबला : टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गया की टीम ने गौतम की शानदार 81 रनों की बल्लेबाजी की बदौलत निर्धारित 21 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 194 रन का स्कोर बनाया राहुल ने 46 आलोक ने 37 रनों का मुख्य रूप से योगदान किया। शेष बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार न कर सके। भोजपुर की तरफ से राहुल ने तीन तरुण ने तो जबकि परमजीत एवं श्री ने एक-एक विकेट प्राप्त किया। इसके जवाब में भोजपुर की टीम निर्धारित 21 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन का स्कोर ही बना पाई। जिसमें तरुण ने सर्वाधिक 50 रन, हिमांशु ने 31 सागर ने 29 श्लोक ने 22 परमजीत ने 13 रनों का योगदान किया। गया की तरफ से आदित्य ने तीन जबकि वाचस्पति विक्की तथा गौतम ने एक-एक विकेट प्राप्त किया। इस प्रकार गया की टीम ने मैच 19 रन से जीतकर सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित कर लिया कल का मैच पटना एवं गाजीपुर के बीच खेला जाएगा।

सदर विधायक संजय कुमार तिवारी व डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने किया उद्घाटन

मात्र 12.1 ओवर में 71 रन पर सिमटी रोहतास की पूरी टीम, पटना ने 8.1 ओवर में किया चेज

डुमरांव चैलेंजर ट्राफी

- संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के तत्वावधान में आयोजित डुमरांव चैलेंजर ट्राफी क्रिकेट प्रतियोगिता जारी
- आज पटना और आरा के बीच होगा प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला

राज हाई स्कूल में मैच का उद्घाटन करते सदर विधायक और डुमरांव बीडीओ।

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय राज हाई स्कूल के खेल मैदान में संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के तत्वावधान में चल रहे एक लाख एक हजार रूपए के इनामी चैलेंजर ट्राफी क्रिकेट प्रतियोगिता का चौथा व अंतिम सेमीफाइनल मुकाबला शनिवार को पटना व रोहतास की टीमों के बीच खेला गया।

इस मैच में पटना की टीम ने एकतरफा अंदाज में रोहतास को सात विकेट से रौंद फाईनल में जगह बनाई, जहां रविवार को उसका मुकाबला दूसरे ग्रुप से फाईनल में पहुंचने वाली आरा की टीम से होगा।

पटना की धारदार गेंदबाजी के आगे रोहतास की टीम सिमटी : मैच में टॉस जीतने से लेकर परिणाम तक में पटना का दबदबा रहा। पटना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पटना की धारदार गेंदबाजी के आगे रोहतास की टीम मात्र 12.1 ओवर में मात्र 71 रन पर सिमट गई। रोहतास की तरफ से दीपू ने सबसे अधिक 20 रन की पारी खेली। जबकि पटना टीम के पवन कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए, इस प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। पवन के नेतृत्व में पटना के सभी गेंदबाजों ने बढ़िया गेंदबाजी की तथा उनके क्षेत्ररक्षकों ने भी मुश्किल कैचों को पकड़ रोहतास के बल्लेबाजों को विकेट पर खड़ा नहीं होने दिया। आलम यह था कि रोहतास के आधे से अधिक बल्लेबाज दहाई अंक में भी नहीं पहुंच सकें। जबकि निर्धारित ओवर के 3.5 ओवर पहले ही पूरी टीम आल आउट हो गई।

तीन विकेट गंवाकर हासिल किया लक्ष्य : 72 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पटना की टीम ने तुफानी अंदाज में बल्लेबाजी की तथा मात्र 8.1 (49 गेंदों) में ही मात्र तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। पटना की तरफ से गुड्डू ने 33 रन की तेज तर्रार पारी खेल रोहतास के स्कोर को बौना साबित कर दिया। रोहतास की तरफ से अमन ने 2 विकेट हासिल किये, हालांकि उनका यह प्रदर्शन भी पटना को एकतरफा जीत दर्ज करने से रोक नहीं सका। पटना की टीम ने सात विकेट की बड़ी जीत दर्ज कर फाईनल में पहुंची है। अपने दोनों मुकाबले को एकतरफा अंदाज में जीतने वाली पटना की टीम को फाईनल में इसका मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा।

पवन कुमार को मिला मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार : आज के मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पटना के पवन कुमार को हैप्पी सिंह, रेहान अली और अंग्रेजी शिक्षक अजितेश कुमार और मिस्टर मनोज के द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। मैच में कॉमेंटेटर के रूप में मनोज कुमार और अजितेश कुमार उपस्थित रहे। स्कोरर के रूप में चेतन रहे और अंपायर की भूमिका में हैप्पी सिंह और शुभम सिंह मौजूद रहे।

आज होगा फाइनल मुकाबला : राज हाई स्कूल में आयोजित डुमरांव चैलेंजर ट्रॉफी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज होगा। पटना और आरा के बीच होने वाले इस मुकाबले के कारण डुमरांव के लिए यह दिन सुपर संडे बन जाएगा। फाइनल मैच के कड़े टक्कर होने की संभावना को देखते हुए दर्शकों से राज हाई स्कूल के खचाखच भरने की उम्मीद जताई जा रही है। जिसको लेकर आयोजनकर्ताओं द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है।

खिलाड़ियों को हार को चुनौती मान कर जीत का प्रयास करना चाहिए: सदर विधायक

इस सेमीफाइनल मुकाबले का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बक्सर सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी व डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से फीता काट व दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अपने संबोधन में सदर विधायक ने इस आयोजन के लिए आयोजक संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के सह निदेशक शुभम सिंह को धन्यवाद दिया और कहा कि खेल के दौरान हार या जीत होती है। हमे हार से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि हार से सीख ले जीत का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से इसी भावना से खेलने की सीख दी। उन्होंने खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए कहा कि जीवन के प्रत्येक हार को चुनौती मान जीत के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए, तब जाकर सफलता मिलती है।

खेल में अनुशासन जरूरी: बीडीओ

वहीं, अपने संबोधन में डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने कहा कि खेल में अनुशासन बहुत जरूरी है। हर बड़ा खिलाड़ी काफी अनुशासित होता है। उन्होंने कहा कि खेल में हार जीत लगी रहती है। खिलाड़ियों को खेल भावना का परिचय देना चाहिए तथा तथा खेल से खेल को बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। बीडीओ ने दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामना दी तथा बेहतर खेल दिखाने के लिए प्रेरित किया।

मैच की झलकियां...

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते सदर विधायक और बीडीओ।

राष्ट्रगान के दौरान खड़े अतिथिगण, आयोजनकर्ता व खिलाड़ी।

मैच के दौरान रन लेते खिलाड़ी।

पटना के पवन कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते आयोजनकर्ता।

एक नजर

बिहारियों पर अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ भाजयुमो फूंका अरविंद केजरीवाल का पुतला

डुमरांव। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने डुमरांव नया थाना के पास अरविंद केजरीवाल का पुतला दहन किया। इस दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल मुदार्बाद, बिहार बिहारी जिंदाबाद, पूर्वांचलियों के सम्मान में उतरे हम मैदान में, जैसे गगन भेदी नारे लगा रहे थे। पुतला दहन का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश सहसंयोजक दीपक यादव ने किया। पुतला दहन के बाद एक सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता युवा मोर्चा के महामंत्री अभिषेक रंजन ने तथा संचालन युवा मोर्चा के नेता सूर्यवंशी राहुल प्रताप ने किया। युवा नेता दीपक यादव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल द्वारा लगातार दिल्ली में बिहार तथा पूर्वांचल के लोगों को अपमानित किया जा रहा हैं। वे यूपी और बिहार के लोगों को फर्जी बताने का दुस्साहस किये है, लेकिन कभी रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को फर्जी नहीं बताया। दीपक ने उनके इस बयान को अत्यंत ही निंदनीय है कट्टर बेईमानी वाला बाताया। उन्होंने कहा कि उनकी धूर्तता से दिल्ली की जनता पीछा छुड़ाना चाहती है। अब पूर्वांचल के लोग दिल्ली की धरती पर केजरीवाल का कब्र खोदेंगे। मौके पर भाजपा नेता शक्ति राय, चुनमुन वर्मा, रोहित सिंह, अनिल कुमार साह सहित कई लोगों ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन भाजपा नेता मुखिया सिंह कुशवाहा ने किया। मौके पर भाजपा नेता शेरु सिंह, कुमार अंकित, अमर पासवान, आदित्य पाठक, प्रवीण पांडेय, सुशील कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक महीने से खराब है चंदा प्राथमिक विद्यालय पश्चिम टोला का चापाकल, छात्र परेशान

चक्की। प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय चंदा पश्चिम टोला का चापाकल पिछले एक महीने से खराब पड़ा है। चापाकल खराब होने से छात्र-छात्राओं के अलावे यहां कार्यरत शिक्षकों को भी पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है। प्रधानाध्यापक प्रवीण कुमार ने बताया कि चापाकल खराब होने की जानकारी विभागीय पदाधिकारी व जेईई को दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि चापाकल

को दो दिनों के भीतर ठीक कर दिया जाएगा। हालांकि, अभिभावकों का कहना है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। धनजी नोनिया, नारद मुनि, और जितेंद्र यादव जैसे अभिभावकों ने सवाल उठाते हुए कहा कि एक महीने से चापाकल खराब है और अब तक इसे ठीक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि छात्रों को मध्याह्न भोजन से पहले साफ और सुरक्षित पानी की जरूरत होती है। शनिवार को मध्याह्न भोजन का वितरण भी प्रभावित हुआ, जिससे छात्रों को परेशानी झेलनी पड़ी। प्रधानाध्यापक ने बताया कि किसी तरह पानी की व्यवस्था करके बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि ठंड के कारण स्कूल में शनिवार को बच्चों की उपस्थिति कम रही है और पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है।

चिकित्सों की कमी से बंद पड़ा है भरियार व अरक का स्वास्थ्य उपकेंद्र, ग्रामीण परेशान

केटी न्यूज/चक्की

एक तरफ राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा दे रही है। पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य उपकेन्द्र बनाए गए है। लेकिन, दियारा इलाके में शामिल चक्की प्रखंड के भरियार व अरक पंचायत के स्वास्थ्य उपकेन्द्र में डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति नहीं होने से इसका लाभ क्षेत्रिय लोगों को नहीं मिल रहा है। वही, दोनों स्वास्थ्य उपकेन्द्रों में जरूरी दवाओं का अभाव में मरीजों के परेशानी का कारण बना है।

बताया जाता है कि भरियार स्वास्थ्य उपकेंद्र में सीएचओ संजय प्रसाद के तबादले के बाद से हालात और खराब हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले पंद्रह दिनों से इस केंद्र में कोई सीएचओ नहीं आया है। वहीं, अरक का स्वास्थ्य उपकेंद्र भी कभी-कभी ही खुलता है। गांव के राम कुमार सिंह, सुधीर कुमार और रामजी सिंह ने बताया कि महीने में शायद एक-दो बार उपकेंद्र खुलता है। ग्रामीणों का स्वास्थ्य इन केंद्रों पर निर्भर है, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति और दवाओं की कमी ने स्थिति को और विकट बना दिया है। उन्होंने कहा, ष्सरकार की पहल तो सराहनीय है, लेकिन व्यवस्था की खामियों ने हमें निराश किया है। उन्होंने कहा, सी एच ओ के भरोसे गांव के स्वास्थ्य कटघरे में हैं। सरकार को डॉक्टर बहाल कर अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। कब तक सी एच ओ के बदौलत स्वास्थ्य उपकेंद्र चलेगा। सरकार इसपर पहल करें। सीएचओ समय पर नहीं आते, और जब आते भी हैं तो दवाएं उपलब्ध नहीं होतीं। ग्रामीणों ने बताया कि गंभीर बीमारियों के मामलों में इन्हीं केंद्रों पर इलाज की उम्मीद रहती है, लेकिन डॉक्टरों और दवाओं की कमी के चलते मरीजों को या तो बक्सर जाना पड़ता है या फिर निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ता है। इससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

वनकर्मी गोपगुट ने लगाई डुमरांव विधायक से गुहार

डुमरांव। बिहार राज्य वनकर्मी महासंघ गोप गुट से संबद्ध वन विभाग के दैनिक वेतनभोगी कर्मियों ने डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह से मुलाकात कर अपना दुखड़ा सुनाया। इस दौरान विधायक ने कहा कि बिहार में दैनिक वेतन भोगी वनकर्मियों की समस्या कई सालों से बनी हुई है। इन कर्मियों को न केवल अस्थायी रोजगार की असुरक्षा का सामना करना पड़ता है, बल्कि वेतन, सुविधाओं और स्थायी नियुक्ति जैसे मुद्दों पर भी संघर्ष करना पड़ रहा है। अधिकांश दैनिक वेतन भोगी कर्मियों को लंबे समय तक सेवा में रहने के बावजूद स्थायी नियुक्ति नहीं मिलती। सरकार द्वारा इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाने से इन कर्मियों को अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ता है। मौके पर दर्जनों वनकर्मी मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर बैठक में अनुमंडल प्रशासन ने तय की रूपरेखा

26 जनवरी को अपनी अपनी कलाओं व झांकियों का प्रदर्शन करेंगे स्कूली बच्चे

- नप को मिली शहीद स्मारक व खेल मैदान की सफाई के साथ सजाने की जिम्मेदारी

केटी न्यूज/डुमरांव

गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह राज हाईस्कूल के खेल मैदान में होगा। जहां विभिन्न स्कूलों के दस टीमें मार्च पास्ट के दौरान राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देंगें। उस दौरान स्कूली बच्चे अपने कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। समारोह में निजी व सरकारी स्कूलों के बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधरित झांकियों का प्रदर्शन मुख्य आकर्षण बनेगा।

शनिवार को अनुमंडल के सभागार में एसडीओ राकेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान इसकी रूपरेखा तय की गयी और इस समारोह की सफलता को लेकर विभिन्न विभागों व स्कूलों को दायित्व सौंपा गया। बैठक के दौरान शहीद स्मारक व खेल मैदान की सफाई के साथ सजाने-संवारने का जिम्मा नगर परिषद प्रशासन को दिया गया जबकि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस मुस्तैद रहेगी। बैठक के दौरान एसडीओ ने कहा कि गणतंत्र दिवस के इस राष्ट्रीय पर्व को गरिमापूर्ण व उत्साहपूर्वक मनाया जायेगा।

दायित्वों का समय पर निर्वहन करें: एसडीएम ने कहा कि सांस्कृतिक टीम की प्रस्तुतियां सामाजिक उपदेश, राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होनी चाहिए। सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने दायित्वों का समय पर निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने आम नागरिकों को भी पूरे जोश के साथ गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मिलित होने का आग्रह किया। खेल मैदान में एम्बुलेंस सेवा के साथ डॉक्टरों की टीम भी मौजूद रहेगी। मौके पर डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता मो शहजाद अहमद, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, नप ईओ मनीष कुमार, नप के प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, प्रो. श्रीकांत सिंह, अनुराग मिश्रा, शत्रुघ्न प्रसाद उर्फ मोहन गुप्ता, संजय सिन्हा, अभयानंद प्रजापति, संजय चंद्रवंशी, प्रमोद जायसवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

दिल्ली पुलिस और एटीएस ने झारखंड में अचानक मारा छापा, पकड़ा गया अलकायदा का संदिग्ध

लोहरदगा, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस ने अचानक छापा मारा। यहां अलकायदा के एक संदिग्ध को झारखंड के लोहरदगा जिले के सेन्हा से गिरफ्तार कर लिया। वह रांची के चान्हो का रहने वाला है। गिरफ्तार शाहबाज अंसारी कई दिनों से फरार चल रहा था। बताया जा रहा है कि राजस्थान के भिवाड़ी में आंतकी संगठन अलकायदा का प्रशिक्षण कैंप चल रहा था। इस कैंप में झारखंड समेत कई राज्यों के लोग आतंकी प्रशिक्षण ले रहे थे। इस कैंप में 2024 में चान्हो का शाहबाज अंसारी भी प्रशिक्षण लेने गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जब प्रशिक्षण कैंप का पता लगाकर अगस्त 2024 छापेमारी की तो कई आतंकी पकड़े भी गए थे।

उस वक्त ट्रेनिंग ले रहा शाहबाज कैंप से भाग गया था। इसकी जानकारी दबोचे गए आतंकियों ने दिल्ली की स्पेशल सेल को दी। इसके बाद टीम उससे ढूंढने में लग गई। इसी बीच स्पेशल टीम को उसके चान्हो में होने का पता चला तो झारखंड एटीएस के सहयोग से उसे दबोच लिया गया।

संदिग्ध ने कम समय में जमा की अकूत संपत्तिः लोहरदगा चंदलासो पंचायत के कौवा खाप निवासी संदिग्ध अल्ताफ अंसारी ने हाल के दिनों में अकूत संपत्ति इकट्ठा किया है। सूत्रों के अनुसार अल्ताफ के पास ट्रक, बोलेरो, कार बाइक आदि हैं। वह मछली पकड़ने का काम करता था। इसके बाद ऑटो चलाता था। थोड़े समय में उसके पास और उसके परिजनों के पास अकूत संपत्ति आ गई।

भिवाड़ी में एक सप्ताह का दिया जाना था प्रशिक्षणः शाहबाज ने पूछताछ में खुलासा किया है कि राजस्थान के भिवाड़ी में उनकी ट्रेनिंग एक सप्ताह तक चलनी थी। इसके बाद आगे की रणनीति पर काम करना था। हालांकि, इन्हें ट्रेनिंग के बाद कहां जाना है, किसके संपर्क में रहना है, हथियार से लेकर खाना-पीना कौन मुहैया कराएगा जैसी बातों की जानकारी नहीं थी। शाहबाज ने बताया कि दो दिनों की ही ट्रेनिंग हुई थी। तीसरे दिन दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छापेमारी कर दी। इसके बाद वह राजस्थान और यूपी में कई दिनों तक छिप कर रहा।

दो संदिग्ध गिरफ्तार किए गए, एक चल रहा फरारः लोहरदगा जिले से साल 2023 से अब तक अलकायदा और आईएसआईएस संगठन से संबंध रखने के आरोप में दो संदिग्ध को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक अब भी फरार है। 22 अगस्त 2024 को लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र के हेंजला कौवाखाप गांव से एटीएस की टीम ने अल कायदा के संदिग्ध आतंकी अल्ताफ अंसारी के घर पर छापेमारी की गई थी। झारखंड के रांची हजारीबाग और लोहरदगा में एक साथ कई ठिकानों में मारे गए छापे के दौरान अल्ताफ भागने में सफल हुआ था। इसके घर से पुलिस ने हथियार बरामद किए थे।

नाम बदलकर दूसरे राज्यों में रह रहा थाः डॉ इश्तियाक ने ही शाहबाज को आतंकी संगठन में जोड़ा। इसके बाद उसे ट्रेनिंग के लिए पिछले साल राजस्थान भेजा था। कुछ ही दिन शाहबाज ट्रेनिंग ले पाया था। फरार होने के बाद वह दूसरे राज्यों में जाकर छिप गया और नाम बदलकर रहा।

संक्षिप्त समाचार

सहारा इंडिया के ऑफिस को सीआईडी ने किया सील, निवेशक परेशान

रांची, एजेंसी। सहारा इंडिया के खिलाफ झारखंड के बोकारो जिले में बड़ा एक्शन हुआ है. गोमिया प्रखंड में सहारा इंडिया की शाखा को सीआईडी ने सील कर दिया है. झारखंड के पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है. डीजीपी को शिकायत मिली थी कि गोमिया के बैंक मोड़ स्थित सहारा इंडिया की शाखा में अभी भी निवेशकों से पैसे जमा लिए जा रहे हैं.

सीआईडी के इंस्पेक्टर बासुदेव कुमार आर्या ने कहा है कि गोमिया में सहारा इंडिया की शाखा को सील किया गया है. ऑफिस को गोमिया के अंचल अधिकारी आफताब आलम की मौजूदगी में सील किया गया है. इंस्पेक्टर ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि इस शाखा में अभी भी पैसे जमा हो रहे हैं.

वहीं, ब्रांच में काम करने वाले कर्मचारियों ने कहा कि गृह मंत्री की ओर से निर्देश है कि निवेशकों के पोर्टल पर गलतियों में सुधार किया जाए. वही काम हो रहा था. किसी प्रकार का वित्तीय लेन-देन नहीं हो रहा था.

इसके पहले शुक्रवार को हजारीबाग जिले के इचाक में भी सहारा इंडिया के गैरकानूनी तरीके से चलाये जा रहे कार्यालय में छापेमारी की गई थी. सीआईडी के अधिकारियों को यहां फर्जी लेन-देन से संबंधित कई संदिग्ध दस्तावेज मिले थे, जिसे वे अपने साथ ले गए.

ज्ञात हो कि सहारा के घाटे में जाने और तय समय पर ग्राहकों के पैसे नहीं लौटाने की वजह से वर्ष 2022 में सेबी ने कार्रवाई की थी. सहारा इंडिया में पैसे जमा कराने पर रोक लगा दी थी. इसके बाद भी सहारा में काम करने वाले कुछ कर्मचारी और उनके परिजन गलत तरीके से ग्राहकों से जमा करने के नाम पर पैसे ले रहे हैं. सहारा के सॉफ्टवेयर में इसका कोई अता-पता नहीं है.

यूजीसी टीम ने रांची विवि में सुविधाओं की जानकारी ली

रांची, एजेंसी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की तीन सदस्यीय टीम (असेसबल ऑडिट) ने शुक्रवार को रांची विवि मुख्यालय सहित पीजी विभागों, सेंट्रल लाइब्रेरी, हेल्थ सेंटर, ऑडिटोरियम आदि का मुआयना किया. टीम के सदस्य विवि में निःशक्त शिक्षकों व कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को दी जानेवाली सुविधा को देखने पहुंची थे.

इस क्रम के टीम के सदस्य सेंट्रल लाइब्रेरी सहित बेसिक साइंस भवन स्थित भौतिकी, रसायनशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, जंतुविज्ञान, भूगर्भशास्त्र, गणित के अलावा पीजी इतिहास व भूगोल विभाग का दौरा किया. सदस्यों ने विवि प्रशासन को सेंट्रल लाइब्रेरी सहित पीजी ब्लॉक में जहां लिफ्ट की सुविधा नहीं है, वहां भी उसे बहाल करने का सुझाव दिया. हालांकि सदस्य सेंट्रल लाइब्रेरी सहित पीजी विभागों में निःशक्त के लिए रैंप की सुविधा बहाल रहने व कई जगहों पर सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में चल रहे कार्य से संतुष्ट दिखे. टीम में आंध्रप्रदेश डिग्री व पीजी कॉलेज के प्रो जी रामाकृष्णा रेड्डी, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इंपावरमेंट ऑफ पर्सन विथ मल्टीपल डिसेबिलिटी के डॉ हिमांगशु दास तथा यूजीसी के डिप्टी सेक्रेटरी डॉ अमोल अंधारे शामिल थे.

बाइक की टक्कर में पति की मौत, पत्नी घायल

खूंटी, एजेंसी। खूंटी-रांची मुख्य मार्ग पर तजना नदी के पास गुरुवार देर रात दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई सीधी टक्कर में बेलांगी निवासी दिनेश महतो की मौत हो गई, जबकि दिनेश की पत्नी रानी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक का शुक्रवार को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दिनेश महतो और उनकी पत्नी गुरुवार रात को खूंटी से अपने गांव बेलांगी जा रहे थे। तजना नदी के पास विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक ने दिनेश की बाइक को ठोकर मार दी। इससे दिनेश और उनकी पत्नी घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को केएस गंगा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दिनेश महतो को मृत घोषित कर दिया।

लोहरदगा में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या के दोषी को फांसी की सजा

लोहरदगा, एजेंसी। जिले के बगड़ू थाना क्षेत्र अंतर्गत अरेया गांव की एक नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने के दोषी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश पॉस्को एक्ट अखिलेश कुमार तिवारी ने फांसी की सजा सुनाई है। अरेया निवासी आरोपित इंदर उरांव (25) को धारा 302 में दोषी पाते हुए फांसी की सजा जबकि पॉस्को एक्ट में सश्रम आजीवन कारावास (मृत्यु पर्यंत) एवं पच्चीस हजार रुपये जुर्माना की सजा दी गई है।

उल्लेखनीय है कि 24 दिसंबर, 2022 को दोपहर तीन बजे अरेया गांव में एक छोटी बच्ची सहेलियों के साथ खेल रही थी। इसी बीच इंद्र उरांव वहां पहुंचता है और छोटे-छोटे बच्चों को पांच-पांच रुपये देकर चॉकलेट खरीदने भेज देता है। एक छोटी बच्ची को 50 रुपये देकर साथ में लेकर घूमता है। जब उसकी मां बच्ची को ढूंढती है तो बच्ची नहीं मिली। मां ने इंदर उरांव से पूछा कि उसकी बच्ची कहां है तो वह घबरा गया और भागने लगा।

इस दौरान महिला ने इंदर उरांव को पकड़ लिया तो उसने हाथ छुड़ाने के उद्देश्य से उसका गला दबाकर मारने का प्रयास किया। इसी बीच गांव में भीड़ इकट्ठी हो गई तो कुछ लोगों ने कहा कि बच्ची के साथ इंदर उरांव घूम रहा था। जब ग्रामीणों ने उससे कड़ाई से पूछा तो उसने बताया कि सुजीत उरांव के घर के पीछे बच्ची से रेप करने का प्रयास कर रहा था तो वह रोने लगी, जिसके कारण डर से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और गेंदा फूल के पौधे से उसके शरीर पर बोरा डालकर सुला दिया ताकि किसी को कुछ पता ना चल सके। इस संबंध में बगरू थाना में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था।

न्यायालय ने पूरे मामले में सुनवाई करने के बाद दोषी को फांसी की सजा सुनाई। सरकार की तरफ से लोक अभियोजक मिनी लकड़ा ने बहस की जबकि बचाव पक्ष की ओर से नारायण साहू ने पक्ष रखा। न्यायालय के इस फैसले के बाद बच्ची के परिजनों ने कहा कि बच्ची तो अब इस दुनिया में नहीं है लेकिन इस सजा से वैसे लोगों को एक सबक मिलेगा, जो इस तरह के कुकृत्य करते हैं। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व 2014 में लोहरदगा में एक बच्ची की हत्या के दोषी अलबेल को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

बालू माफियाओं के हौसले बुलंद, छापामारी करने पहुंचे थानेदार को धमकाया; कहा- दोबारा दिखे तो गायब कर देंगे

चाईबासा, एजेंसी। बालू माफिया को सादे लिबास में पकड़ने गए तांतनगर थाना प्रभारी मेघनाथ मंडल को बालू माफियाओं ने घेर लिया। इस दौरान बालू माफियाओं ने थाना प्रभारी को धमकी भी दी कि दूसरी बार दिखाई देने पर पूरी तरह गायब कर दिए जाओगे।

इसके बाद जैसे-जैसे थाना प्रभारी व एक अन्य पुलिसकर्मी वहां से निकल पाए। बालू माफिया द्वारा थाना प्रभारी को धमकी देने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

घटना बुधवार की सुबह की है। तांतनगर के संगम नदी बालू घाट पर अवैध बालू निकालने की सूचना पर तांतनगर थाना प्रभारी मेघनाथ मंडल अपने एक सहयोगी पुलिसकर्मी के साथ सिविल ड्रेस में ही घाट पर पहुंच गए।

इस दौरान वहां दर्जनों ट्रैक्टरों में बालू नदी से लोड किया जा रहा था। थाना प्रभारी को देखते ही बालू माफिया वहां पर एकजुट हो गए।

बेलचा, कुदाली समेत अन्य सामग्री लेकर सभी ने थानाध्यक्ष को घेर लिया। इस दौरान बाल माफिया सीधे तौर पर धमकी देने लगे कि हम थाने में मंथली पैसा देते हैं, माइनिंग विभाग को पैसा देते हैं।

इसके बावजूद हमें कारोबार करने से क्यों रोका जा रहा है। दूसरी बार बालू घाट पर नजर आये तो ऐसा गायब करेंगे कि पता ही नहीं चलेगा।

इसके बाद पुलिसकर्मी ने माहौल को भांपते हुए कहा कि एक आदमी को आपका लीडर बना रहे हैं, पूरा मामला यही देख लेंगे। यहां दूसरी बार कोई नहीं आएगा, यही सब मामला देख लेगा। इसके बाद जैसे-तैसे वहां से पुलिस पदाधिकारी निकल पाए।

बता दें कि तांतनगर का इलीगड़ा व संगम नदी बालू घाट साल भर बालू माफिया के कब्जे में रहता है। दिन हो या रात बेधड़क बालू माफिया कारोबार अवैध रुप से करते हैं।

पुलिस व माइनिंग विभाग लगातार कार्रवाई करते हुए अवैध बालू के साथ ट्रेक्टर को जब्त करती है, इसके बावजूद अवैध कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा है।

बुधवार को तांतनगर थाना प्रभारी मेघनाथ मंडल के साथ हुई घटना बालू माफियाओं के हौसले को दिखा रही है कि एक पुलिस पदाधिकारी भी बालू माफियाओं के आगे कुछ नहीं है। अगर यही हाल रहा तो बालू घाट में बड़ी घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता है।

रांची वालों की बल्ले-बल्ले, इस जगह जल्द आरंभ होगी बिजली उत्पादन इकाई, अधिकारी ने दी खुशखबरी

रांची, एजेंसी। रांची के पतरातू स्थिति विद्युत उत्पादन संयंत्र की पहली इकाई से उत्पादन शीघ्र आरंभ होगा। इकाई से निकलने वाले राख के बेहतर प्रबंधन के लिए शुक्रवार को पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने अपना पहला ऐश यूजर मीट आयोजित किया, जिसमें फ्लाई ऐश के नवाचार और स्थायी उपयोग पर जोर दिया गया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी एनएल येओतकर उपस्थित थे।

दोनों ने कार्यक्रम में फ्लाई ऐश के किफायती और बहुपयोगी पुनः उपयोग को रेखांकित करते हुए बताया कि झारखंड में एनएचएआइ की परियोजनाओं के तहत 720 किमी हाइवे के निर्माण में दो करोड़ मीट्रिक टन फ्लाई ऐश का उपयोग किया गया है।

पीवीयूएनएल के सीईओ आरके सिंह ने 100 प्रतिशत पर्यावरण अनुकूल ऐश उपयोग के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई। सत्र के दौरान ऐश उपयोग को अनुकूलित करने पर चर्चा की गई।

इसका मुख्य फोकस स्वचालित फ्लाई ऐश ईंट और बैगिंग प्लांट स्थापित करना था, जो राजस्व का स्त्रोत विकसित करने और बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता करेगा। कार्यक्रम में फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी ÷विकल्प÷ को प्रदर्शित किया गया।

इसके साथ ही बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों और किसानों के लिए सत्र आयोजित किए गए, जिसमें कृषि में फ्लाई ऐश के उपयोग पर चर्चा हुई। आरके सिंह ने सभी हितधारकों से अधिकतम ऐश उपयोग और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सहयोग का आह्वान किया।

बता दें कि पतरातू झारखंड राज्य में स्थित एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है, जो अपने विभिन्न उद्योगों और परियोजनाओं के लिए प्रसिद्ध है।

सरकारी योजनाओं को लेकर एक्शन में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, अधिकारियों को दे दिया ये ऑर्डर

रांची, एजेंसी। झारखंड में गठबंधन की सरकार बनने के बाद लगातार मंत्री एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की नियमित समीक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच पहुंच रही हैं। उन्होंने गुरुवार को प्रखंड कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने की आवश्यकता है, क्योंकि सरकार की कई योजनाएं कागज तक ही सीमित हो गई हैं। कृषि विभाग में 700 करोड़ राशि का पीएल खाते में रहना इसका प्रमाण है।

शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना इसलिए जरूरी है कि योजना की राशि भी खर्च हो और लाभुकों को इसका लाभ भी मिले। कृषि मंत्री ने गुरुवार को बेड़ों प्रखंड कार्यालय में सरकार की योजनाओं को लेकर बैठक की।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकार विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने को लेकर रेस है, लेकिन जब तक अधिकारी और कर्मचारी रेस नहीं होंगे, तब तक सरकार की योजना लाभुकों के द्वार तक नहीं पहुंच पाएगी।

विभागों के माध्यम से चलाई जा रही योजना को समय पर लाभुकों तक पहुंचाना बहुत जरूरी है। उन्होंने बेड़ों में बिजली विभाग के अधिकारियों को भी जर्जर तार बदलने के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति का निर्देश दिया है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पहले भी वे बीज ग्राम योजना सहित कई अन्य योजनाओं को धरातल पर सफल बनाने के आदेश दे चुकी हैं।

सरकार महुआ जैसे वन उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने का विचार कर रही है। हाल ही में कृषि मंत्री ने इसे लेकर भी जानकारी साझा की थी

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, सभी विभाग के पदाधिकारी, प्रमुख बिनीता कच्छप, जिला परिषद सदस्य बेरोनिका उरांव, उप प्रमुख मुद्दशीर हक, प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, पीसीसी डेलिगेट्स मजकुर आलम सिद्दीकी मौजूद रहे।

इसके अलावा नवल किशोर सिंह, पांचू मिंज, शमशाद आलम, मंकु कुजूर, फहीम हक, मुन्ना मलिक, राइफुद्दीन मीरदाहा, मीर मुस्लिम, शंभू बैठा, रमेश उरांव, आशारानी पन्ना, सोमरा लोहरा, राजेश गोप, सहबान, बिंदेश्वर गोप, बबलू खान, संजय कच्छप, रियाज, सुनील उरांव, आदि उपस्थित थे।

मंईयां सम्मान को लेकर क्यों सड़क पर उतरी महिलाएं हेमंत सरकार की बढ़ी मुश्किल

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान न होने से लाभार्थी महिलाओं में व्याप्त आक्रोश गुरुवार को फूट पड़ा। जमशेदपुर स्थित उपायुक्त कार्यालय और करनडीह प्रखंड कार्यालय के समक्ष सैकड़ों महिलाओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की।

मंईयां सम्मान योजना की राशि नहीं मिलने की वजह से प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने निर्धारित राशि के तत्काल भुगतान की मांग की। मंईयां सम्मान योजना के तहत हजारों महिलाओं के खातों में 6 जनवरी को राशि जारी की गई थी, लेकिन कई महिलाओं के खातों में यह राशि नहीं पहुंची।

योजना की वेबसाइट चार जनवरी से ठप होने के कारण आवेदन और शिकायत दर्ज कराने में भी समस्या आ रही है, जिससे लाभार्थी महिलाएं परेशान हैं। गुरुवार को मंईयांसम्मान योजना की लाभार्थी महिलाएं बड़ी संख्या में उपायुक्त कार्यालय पहुंचीं और जोरदार प्रदर्शन किया।

इसी प्रकार करनडीह प्रखंड कार्यालय पहुंची महिला लाभार्थी भी निराश दिखीं। महिलाओं का कहना था कि वे बार-बार प्रखंड कार्यालय के चक्कर काट रहीं हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। दर्जनों महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक मदद से जानबूझकर वंचित रखा जा रहा है।

महिलाओं का कहना है कि वे कई बार सरकारी अधिकारियों से मिलकर गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बताया कि छह जनवरी को लाखों महिलाओं के खातों में राशि जारी की गई थी, लेकिन उनके खातों में पैसा नहीं आया।

जब वे इस बारे में संबंधित सरकारी कार्यालयों में जानकारी लेने गईं, तो उन्हें बताया गया कि चार जनवरी से ही मंईयां सम्मान योजना की वेबसाइट बंद पड़ी है। वेबसाइट बंद होने के कारण भुगतान प्रक्रिया बाधित हो रही है। प्रेम नगर की रहने वाली अधिकांश प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कहा कि वे हफ्तों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ऑनलाइन आवेदन करने की कोशिश भी नाकाम रही है, क्योंकि वेबसाइट काम नहीं कर रही है। कुछ महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक ही परिवार की दो-तीन महिलाओं को पैसे मिले हैं, जबकि कई महिलाओं को अब तक एक भी रुपया नहीं मिला है। ऐसा लगता है कि जानबूझकर कुछ महिलाओं को योजना के लाभ से वंचित रखा जा रहा है।

झारखंड में खुलेगा राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, खूंटी में पांच एकड़ जमीन चिह्नित

रांची, एजेंसी। झारखंड में केंद्र सरकार प्रायोजित राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र खुलेगा. इसके लिए खूंटी के डियर पार्क के पास पांच एकड़ जमीन चिह्नित की गई है. फिलहाल संस्थान शुरू करने के लिए स्मार्ट सिटी स्थित जुपमी भवन को किराये पर लेने की सहमति बनी. झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रस्ताव पर राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने को लेकर अधिकारियों संग बैठक कर रही थीं.

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार ने बैठक में बताया कि संस्थान में योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करनेवाले कर्मियों को प्रशिक्षित किया जायेगा और उनकी क्षमता संवर्धन किया जायेगा. सिर्फ झारखंड में ऐसे कर्मियों की संख्या 80 हजार के करीब है, जिसमें आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, पर्यवेक्षिका इत्यादि शामिल हैं. झारखंड में स्थापित हो रहा यह संस्थान झारखंड समेत पूर्वी भारत के राज्यों पश्चिम बंगाल, ओडिशा एवं बिहार में योजना संचालित करनेवाले कर्मियों के प्रशिक्षण का भी केंद्र बनेगा. राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र फिलहाल गुवाहाटी, बेंगलुरु, इंदौर, लखनऊ और मोहाली में चल रहा है.

बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी के अलावा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर, सूडा के निदेशक अमित कुमार आदि शामिल थे.

सुभाषितम्

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे। - प्रेमचंद

सरकारों की गिरती साखः जिम्मेदार कौन?

विश्व के अनेक देशों में अपनी ही सरकारों से जनता असंतुष्ट नजर आ रही है। ऐसे में हालात बद से बदतर हो रहे हैं और स्थिति गृहयुद्ध तक पहुंचती नजर आ रही है। इसके उदाहरण खोजने के लिए ज्यादा दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि भारत के पड़ोसी मुल्कों पर ही एक नजर दौड़ा ली जाए तो मालूम चल जाएगा कि सरकारों की साख किस कदर गिर चुकी है कि आवाम किसी बड़े युद्ध का आगाज करने से भी गुरेज नहीं कर रही है। मौजूदा स्थिति में बांग्लादेश और म्यांमार में गृहयुद्ध वाली स्थिति बनी हुई है। म्यांमार में तो शासन-प्रशासन अपने ही लोगों पर हवाई हमले करने को मजबूर है। म्यांमार में आन सान सू की सरकार के तख्तापलट के बाद से ही गृहयुद्ध की स्थिति बनी हुई है। ताजा घटनाक्रम में म्यांमार के रखाइन प्रांत में सैन्य सरकार की तरफ से किए गए हवाई हमले में 40 नागरिकों की मौत हुई है। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र ने भी दी और कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश का यह गृह युद्ध अपने चौथे साल के करीब पहुंच गया है। इसी तरह पाकिस्तान में भी स्थिति अनकंट्रोल जैसी बनी हुई है। सरकार के खिलाफ पाकिस्तान में भी लगातार धरने-प्रदर्शन के साथ सेना व पुलिस पर हमले हो रहे हैं। जहां तक बांग्लादेश की बात है तो प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से ही स्थिति असामान्य बनी हुई है। अल्पसंख्यकों पर लगातार हमले हो रहे हैं और मौजूदा मोहम्मद यूनुस वाली सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ता ही चला जा रहा है। शासन-प्रशासन के खिलाफ जनता का खुला विरोध यह दिखाता है कि केवल सत्ता में बने रहना ही पर्याप्त नहीं होता है। सरकार की नीतियों से असंतोष पनप रहा है, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अक्षमता ने देश की स्थिति को गंभीर बना दिया है। यहां तक कि सत्ता से अलग होने के बाद भी हालात सामान्य नहीं हो पा रहे हैं। यह दशार्ता है कि लोकतंत्र और सुशासन के बिना जनता का विश्वास वापस पाना मुश्किल है। एक प्रकार से विश्व के कई देशों में सरकारों की गिरती साख और प्रशासन के प्रति जनता का गहराता अविश्वास एक गंभीर चुनौती के तौर पर उभरा है। म्यांमार, पाकिस्तान, और बांग्लादेश जैसे देशों में वर्तमान परिस्थितियां इस समस्या का जीवंत उदाहरण हैं। जहां एक ओर जनता सरकारों के खिलाफ आवाज उठा रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारें इन विरोधों को दबाने के लिए कठोर कदम उठा रही हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि सरकारों की इस गिरती साख का असली जिम्मेदार कौन है? म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध ने प्रशासनिक ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। सैन्य शासन द्वारा जनता के खिलाफ हवाई हमले और कठोर दमनकारी नीतियों ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। जनता और प्रशासन के बीच संवादहीनता, लोकतंत्र की कमी, और मानवाधिकारों के उल्लंघन ने इस समस्या को और गहराया है। जब सरकारें अपने ही नागरिकों को दुश्मन के रूप में देखने लगती हैं, तो स्थिति विस्फोटक होना तय है। इसी तरह से पाकिस्तान में भी सरकार और सेना के खिलाफ जनता का गुस्सा चरम पर है।

आर्थिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, और राजनीतिक अनिश्चितता ने लोगों के धैर्य की सीमा लांघ दी है। वहां की सरकारें न केवल जनता की समस्याओं को हल करने में असफल रही हैं, बल्कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और सेना के साथ संघर्ष ने हालात को बदतर बना दिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं, लेकिन मौजूदा शहवाज शरीफ सरकार की मुश्किलें कम नहीं हो पा रही हैं। टीटीपी ने सरकार और सुरक्षाबलों की नाक में दम कर रखा है। बैठे-बिठाए अफगानिस्तान से पंगा ले लिया सो अलग। वैसे भी जब नागरिक अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करते हैं और उन्हें पुलिस या सेना के बल से दबाने की कोशिश की जाती है, तो सरकारों की साख स्वाभाविक रूप से गिरती ही है। इसके अलावा देश में व्याप्त भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता आवाम का विश्वास खोने के लिए काफी होता है। इसके साथ ही जनता की बुनियादी जरूरतें पूरी न होना और बढ़ती आर्थिक असमानता सरकारों के प्रति गुस्से को बढ़ाती है। एक तरफ अमीर और अमीर होता चला जाता है, जबकि गरीब और गरीब होता चला जाता है। अमीर और गरीब के बीच चौड़ी होती यह खाई सरकार के लिए मुसीबतें खड़ी कर देती है। इसके बाद शुरू होता है मानवाधिकारों का उल्लंघन और हनन। इसमें दमनकारी नीतियां और बल प्रयोग जनता और सरकार के बीच जहर घोलने का काम करती हैं। सरकार और नागरिकों के बीच संवाद का अभाव भी अविश्वास को जन्म देता है। सरकारें अस्थिर होने लगती हैं और जब सरकारें स्थिर नहीं होतीं, तो वे जनता के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो जाती हैं। ऐसी सरकारों के पास खुद का किया हुआ बताने को कुछ होता नहीं और पूर्व की सरकारों पर अपनी गलतियों का ठीकरा फोड़ना इनकी आदत बन जाती है।

चिंतन-मनन

उद्यम में है लक्ष्मी का वास

काम का ढेर देखकर कभी घबराना नहीं। मनुष्य काम करने के लिए ही जन्मा है। वह नहीं चाहेगा तो भी उसे काम करना ही पड़ेगा। जो कर्तव्य-कर्म करने में उत्साही है, वही दूसरों के लिए उपयोगी होने का सुख भोग सकता है। उद्यम में लक्ष्मी का वास है और आलस्य में अलक्ष्मी का। उद्यमी को देखकर कमनसीबी डरके भाग जाती है। उद्यम करने पर भी कभी ध्येय सिद्ध न हो तो भी उदास न हों, क्योंकि पुरुषार्थ अथवा प्रयत्न स्वयं ही एक बड़ी सिद्धि है। दुःख से कभी डरें नहीं, बल्कि उसे देखकर उसके सामने हँसें। आपको हँसते देखकर दुःख स्वयं ही डरके भाग जाएगा। मानव को दुःख का शिकार नहीं होना चाहिए, न ही सुख में फूलना चाहिए।

सुख सपना दुःख बुलबुला, दोनों हैं मेहमान।
दोनों बीतन दीजिए, जो भेजें भगवान?

ज्ञान चक्षु खोलने में समर्थ है विवेकानंद जी का जीवन

डॉ. वंदना सेन

वर्तमान में जिस प्रकार से देश प्रगति कर रहा है, उसी प्रकार से कुछ लोग भारतीयता से दूर भी होते जा रहे हैं। हालांकि इस निमित्त कई संस्थाएं भारतीय संस्कारों को जन जन में प्रवाहित करने के लिए प्रयास कर रही हैं। यही कार्य भारत के संत मनीषियों ने किया था, जिसके चलते संपूर्ण विश्व ने भारतीय दर्शन का साक्षात्कार किया। अमेरिका के शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी ने जिन प्रेरक शब्दों का प्रवाह प्रसारित किया, उससे उस समय विश्व के अनेक आध्यात्मिक मनीषी आप्लावित होते दिखाई दिए। एकाग्रचित्त होकर श्रवण किया गया स्वामी विवेकानंद जी का यह संबोधन एक ऐसे मार्ग का दर्शन कराता है, जो व्यक्ति और राष्ट्र को सकारात्मक बोध कराने वाला था। स्वामी विवेकानंद जी के वे विचार न केवल भारतीय ज्ञान की पताका फहराने वाले थे, बल्कि उस भाव का भी प्रकटीकरण करने में समर्थ थे, जहां भारत के विश्व गुरु होने के प्रमाण प्रस्फुटित होते हैं। स्वामी विवेकानंद का शिकागो व्याख्यान एक ऐसा दर्शन था, जिसमें भारत के वसुधैव कुटुंबकम का भाव समाहित है। विश्व के किसी भी दर्शन में संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानने की परंपरा और विचार परिलक्षित नहीं होता, लेकिन भारत की संस्कृति में यह दर्शन पुरातन काल से समाहित है। विश्व के सबसे पुराने प्रामाणिक ग्रंथों में भारत का मूल समाया हुआ है। इसी मूल को स्वामी विवेकानंद जी ने अमेरिका की धरती पर फैलाने का सफल प्रयास किया। हम जानते हैं कि अच्छे विचार को जन-जन में प्रवाहित करने के लिए कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है। शिकागो में जाने के लिए स्वामी विवेकानंद जी ने भी अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। हालांकि भगवान की कृपा से यह समस्याएं दूर होती चली गई और स्वामी विवेकानंद जी अपने संकल्प को प्रवाहित करने के लिए धर्म सम्मेलन में सम्मिलित अनेक विद्वानों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए थे। विद्वानों के समक्ष जब विवेकानंद जी ने अपने हृदय को खोलते हुए पूरे मन से कहा मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों। इस शब्द ने जिस आत्मीयता का बोध कराया, जिस अपनेपन का एहसास कराया, वह वहां उपस्थित मनीषियों के लिए एक नई बात थी। उन्होंने इस प्रकार की कल्पना भी नहीं की और ना उनके दर्शन में ऐसा था। विवेकानंद की वाणी सबके हृदय को छूने वाली थी, सब सबके हृदय में ह?दयंगम होने वाली थी। इसीलिए प्रारंभिक शब्दों को सुनने के बाद पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो गया। इन तालियों में ही स्वामी विवेकानंद जी को जितना समय दिया गया था, वह समय निकल गया, लेकिन स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को सुनकर वहां उपस्थित प्रबुद्ध वर्ग ने स्वामी विवेकानंद जी को और ज्यादा समय देने को कहा। उसके बाद स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय दर्शन पर आधारित भारतीय संस्कारों से समाहित ऐसा प्रबोधन दिया, जो सबके लिए नया था। यही भारतीय संस्कृति का स्वरूप है। उस समय संपूर्ण विश्व के मनीषियों ने यह स्वीकार किया कि वास्तव में भारत ज्ञान के मामले में विश्व गुरु है। शिकागो व्याख्यान के प्रारंभ में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था आपने जिस स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे मेरा दिल भर आया है। मैं दुनिया की सबसे पुरानी संत परंपरा और सभी धर्मों की जननी की तरफ से आप सभी को धन्यवाद देता हूं। सभी जातियों, संप्रदायों के लाखों करोड़ों हिंदुओं की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूं। अपने व्याख्यान में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं जिस तरह अलग-अलग जगहों से निकली नदियां अलग-

अलग रास्तों से होकर आखिरकार समुद्र में मिल जाती हैं। ठीक उसी तरह मनुष्य अपनी इच्छा से अलग-अलग रास्ते चुनता है। यह रास्ते देखने में भले ही अलग-अलग लगते हों, लेकिन यह सब ईश्वर तक ही जाते हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि विश्व के सभी धर्मों की एक ही उपयुक्त राह है कि हम ईश्वर की प्राप्ति में लग जाएं।

स्वामी विवेकानंद जी की वाणी भारतीयता से ओतप्रोत थी। विवेकानंद जी जब भी बोलते थे, उनके एक एक शब्द में भारत का प्रस्फुटन होता था। वे निश्चित रूप से उस भारतीय संस्कृति के संवाहक थे, जो समस्त विश्व के दिशादर्शक हैं। तभी तो वे कहते थे कि भारतीय संस्कृति केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रगति का आधार है। वर्तमान समय में भी स्वामी विवेकानंद जी विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पुरातन काल में होते थे। स्वामी जी युवाओं को शक्तिशाली बने रहने का भी उपदेश देते थे। उनका मानना था कि जिस देश का युवा निर्बल और शक्तिहीन होगा, वह राष्ट्र कभी शक्ति संपन्न नहीं हो सकता। हिंदुत्व के बारे में स्वामी विवेकानंद जी की स्पष्ट धारणा थी। वे अपनी वाणी के माध्यम से यह भी कहते थे कि तुम तब और केवल तब ही हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो, जब इस नाम को सुनने मात्र से तुम्हारे शरीर में विद्युत प्रवाह की तरह तरंग दौड़ जाए और हर व्यक्ति सगे से भी ज्यादा पसंद आने लगे। स्वामी विवेकानंद जी सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह ही देखते थे। शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी का प्रबोधन इसी भाव धारा का प्रवाहन था। जिसकी गूंज आज भी ध्वनित होती रहती है। स्वामी विवेकानंद जी ने भारत के बारे में तीन अति महत्व की भविष्यवाणी की थीं। 1890 के दशक में उन्होंने कहा था कि भारत अकल्पनीय परिस्थितियों के बीच अगले 50 वर्षों में ही स्वाधीन हो जाएगा। जब उन्होंने यह बात कही तब कुछ लोगों ने इस पर ध्यान दिया। उस समय ऐसा होने की कोई संभावना भी नहीं दिख रही थी। ऐसी पृष्ठभूमि में स्वामी विवेकानंद जी की यह सत्य सिद्ध दी हुई। विवेकानंद ने ही एक और भविष्यवाणी की थी जिसका सत्य सिद्ध होना शेष है। उन्होंने कहा था भारत एक बार फिर समृद्धि तथा शक्ति की महान ऊँचाइयों पर उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को पीछे छोड़ जाएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अतीत से ही भविष्य बनता है। अतः यथासंभव अतीत की ओर देखो और उसके बाद सामने देखो और भारत को उज्ज्वल तक पहले से अधिक पहुंचाओ। हमारे पूर्वज महान थे। हम भारत के गौरवशाली अतीत का जितना ही अध्ययन करेंगे हमारा भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। भारत में श्रीराम, कृष्ण, महावीर, हनुमान तथा श्री रामकृष्ण जैसे अनेक ईष्ट और महापुरुषों के आदर्श उपस्थित हैं। महापुरुषों में संपूर्ण समाज का भला करने की नीति का ही पालन किया। स्वामी जी एक कथन बहुत ही प्रचलित है उतिष्ठत जागृत, प्राप्य वरान्निबोधत। अर्थात उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। यह कथन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति का मार्ग तैयार करेगा।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि धर्म को हानि पहुंचाए बिना ही जनता की उन्नति की जा सकती है। किसी को आदर्श बना लो, यदि तुम धर्म को फेंक कर राजनीति, समाजनीति अथवा अन्य किसी दूसरी नीति को जीवन शक्ति का केंद्र बनाने में सफल हो जाओ तो उसका फल यह होगा कि तुम्हारा अस्तित्व नहीं रह जाएगा। भारत में हजारों वर्षों से धार्मिक आदर्श की धारा प्रवाहित हो रही है। भारत का वायुमंडल इस धार्मिक आदर्श से शताब्दी तक पूर्ण रह कर जगमगाता रहा है। हम इसी धार्मिक आदर्श के भीतर पैदा हुए और पले हैं। यहां तक कि धर्म हमारे जन्म से ही हमारे रक्त में मिल गया है, जीवन शक्ति बन गया है। यह धर्म ही है जो हमें सिखाता है कि संसार के सारे प्राणी हमारी आत्मा के विविध रूप ही हैं। सच्चाई यह भी है कि हमारे लोगों ने धर्म को समाज में सही रूप में उपयोग भी नहीं किया है। अतः भारत में किसी प्रकार का सुधार या उन्नति की चेष्टा करने के पहले धर्म को अपनाने की आवश्यकता है। भारत को राजनीतिक विचारों से प्रेरित करने के पहले जरूरी है कि उसमें आध्यात्मिक विचारों की बाढ़ ला दी जाए। शिक्षा हमारी मूलभूत आवश्यकता है। भारत के लोगों को यदि आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा नहीं दी जाएगी, तो सारे संसार की दौलत से भारत के एक छोटे से गांव को भी सहायता नहीं की जा सकती। नैतिक तथा बौद्धिक दोनों ही प्रकार की शिक्षा प्रदान करना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से भारत का स्वत्व प्रकट होना चाहिए, भारत के संस्कार प्रवाहित होने चाहिए। कहा जाता है कि जिस देश की शिक्षा में वहां के तत्व नहीं हैं तो वह शिक्षा उस देश के स्वत्व को समाप्त करने का मार्ग ही तैयार करेगी। इसलिए भारत को सर्वांगीण विकास करने वाली शिक्षा देने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रभक्तों की टोलियों पर स्वामी विवेकानंद ने कहा है देशभक्त बनो। इन बातों से युक्त विश्वासी युवा देशभक्तों की आज भारत को आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ का रामायण विवादः सांस्कृतिक और राजनीति

सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक आस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है, हाल ही में रामायण पर आधारित एक वीडियो को लेकर विवादों के केंद्र में आ गया है। इस वीडियो में रामायण के पात्रों को व्यंग्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया, विशेष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रावण के रूप में दर्शाए जाने के कारण राज्य की राजनीति में हलचल मच गई। यह विवाद केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को लेकर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है। रामायण, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी राज्य का अभिन्न हिस्सा है, का इस तरह से राजनीतिक मंच पर उपयोग करना न केवल छत्तीसगढ़ियों की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है, बल्कि यह राज्य की सांस्कृतिक धरोहर का अपमान भी करता है। रामायण पर आधारित वीडियो, जिसमें भूपेश बघेल को रावण के रूप में दिखाया गया है, इस बात का प्रमाण है कि भाजपा ने सांस्कृतिक प्रतीकों का राजनीतिक लाभ लेने के लिए उनका दुरुपयोग किया। यह वीडियो छत्तीसगढ़ की संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं का खुला उल्लंघन है। राज्य में भगवान राम के वनवास के दौरान कई ऐतिहासिक स्थल स्थित हैं, जिनका

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। राम वन गमन पथ परियोजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार ने इन स्थानों को संरक्षित और विकसित करने की योजना बनाई है, ताकि राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को बचाया जा सके और पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। हालांकि, भाजपा ने रामायण के पात्रों का व्यंग्यात्मक रूप में राजनीतिक इस्तेमाल करते हुए इन धार्मिक स्थलों और आस्थाओं को अपनी राजनीतिक लड़ाई में हथियार बना लिया है। यह कदम छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं का अपमान करने के समान है, क्योंकि इसे एक सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, न कि केवल एक राजनीतिक मंच पर। भाजपा का यह कदम इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि यह धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक प्रतीकों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का एक नया उदाहरण प्रस्तुत करता है। भाजपा द्वारा राम के आदर्शों और रावण के चित्रण का राजनीति में इस तरह से उपयोग करना न केवल छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का अपमान करता है, बल्कि यह समाज में ध्रुवीकरण और तनाव भी उत्पन्न कर सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा केवल सत्ता में बने रहने के लिए धार्मिक प्रतीकों का उपयोग कर रही है, न कि उनकी पवित्रता का सम्मान करती है। कांग्रेस पार्टी ने इस वीडियो की कड़ी आलोचना की है। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने इसे राज्य की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का अपमान बताया और भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने जानबूझकर इस वीडियो को तैयार किया ताकि समाज में धर्म के आधार पर विभाजन फैल सके और धार्मिक भावनाओं को आहत किया जा सके। कांग्रेस का यह आरोप बिल्कुल उचित है, क्योंकि यह साफ दिखता है कि भाजपा ने सांस्कृतिक और धार्मिक मुद्दों का राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया है, जिससे राज्य की सामाजिक एकता और शांति को नुकसान हो सकता है। भाजपा के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यदि कांग्रेस के नेताओं को उस रूप में दिखाया गया है, तो उन्हें सोचना चाहिए। हालांकि, उनके बयान में यह संकेत स्पष्ट था कि भाजपा ने अपनी राजनीतिक गतिविधियों को प्रचारित करने के लिए राम के आदर्शों का राजनीतिक रूप से प्रयोग किया है। उनका यह बयान छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान के प्रति भाजपा की असंवेदनशीलता को दशार्ता है। इस विवाद का एक और पक्ष यह है कि भाजपा अपने कार्यों को विष्णु के सुशासन के रूप में प्रस्तुत कर रही है। राज्य सरकार का दावा है कि वे विष्णु के सुशासन का पालन कर रहे हैं, लेकिन इस वीडियो के राजनीतिक इस्तेमाल से यह स्पष्ट होता है कि भाजपा केवल सत्ता को बनाए रखने के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक लाभ लेने के बजाय उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार मोड़ने की कोशिश कर रही है। यह स्पष्ट रूप से भाजपा के सांस्कृतिक और धार्मिक आदर्शों के प्रति अनवधानता को दिखाता है। यह विवाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक आस्थाओं के बीच संतुलन की आवश्यकता को स्पष्ट करता है।

सुरक्षित यातायात की कवायद

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत में बढ़ते सड़क हादसे चिंता का विषय है।सबसे अहम बात है कि हादसों में सबसे अधिक युवा अपनी जान गवाते हैं। सड़क हादसे आम परिवारों के लिए बेहद पीड़ादायक होते हैं। लेकिन सवाल उठना है कि सड़क हादसे क्यों होते हैं। क्या सड़क हादसों के पीछे यातायात नियम दोषी हैं या फिर सड़कों की खस्ता हाली। दूसरा अहम सवाल है कि सबसे अधिक युवाओं की ही मौत क्यों होती है। सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण करने से पता चलता है कि वाहनों के संचालन के लिए जो यातायात नियम बने हैं निश्चित रूप से हम उनका अनुपालन नहीं करते। अगर हम यातायात नियमों का पालन करें। वाहनों का मेंटेनेंस और फिटनेस का ख्याल रखें तो सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

गुजरे साल 2024 में हमारे देश में सड़क हादसे में 1.80 लाख लोगों की जान गई। जबकि 30 हजार लोगों की मौत का कारण हेलमेट बना। क्योंकि वाहन चलाते समय उन्होंने हेलमेट नहीं लगाया था। आंकड़ों का सबसे दुःखद पहलू यह है कि 10 हजार स्कूली बच्चों को, स्कूलों में गलत प्रवेश और एग्जिट प्वाइंट की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ी। अपने आप में यह बड़ा सवाल है। साल 2024 में हुई कुल मौतों में सबसे अधिक संख्या युवाओं की रही है। सड़क हादसों में मरने वाले 66 फीसदी युवा थे जिनकी उम्र 18 से 34 वर्ष के बीच थी। केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों की माने तो मरने वालों में तकरीबन तीन हजार ऐसे लोग भी शामिल थे जिन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस नहीं लिया था। मंत्रालय के अनुसार देश में अभी 22 लाख प्रशिक्षित चालकों की कमी है। केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्रालय देश भर में 1250 ड्राइविंग लाइसेंस सेंटर खोलने जा रहे हैं। मार्च में इस योजना की शुरूवात होगी। प्रशिक्षण लेने के बाद लोगों जहाँ रोजगार मिलेगा वहीं देश को प्रशिक्षित चालक भी मिलेंगे। निश्चित रूप से राजमार्ग मंत्रालय की यह अनूठी पहल है। आम तौर पर देखा गया है कि हम वाहन चलाते समय यातायात नियमों और सड़क पर प्रदर्शित संकेतों का प्रयोग नहीं करते हैं। हमें यात्रा के दौरान वाहनों की स्पीड सीमा को नियंत्रित करना चाहिए। सड़क हादसों से सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, कभी-कभी तो पूरा परिवार ही सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो जाता है। वाहनों के संचालन के दौरान वाहनों पर हमारा खुद का नियंत्रण होना चाहिए। नशे की हालत में वाहनों का संचालन कभी नहीं करना चाहिए। लेकिन तमाम कानूनी कवायद के बाद भी हम जिंदगी के प्रति बेहद लापरवाह होते हैं। कभी-कभी ऐसा भी देखा गया है कि खुद सुरक्षित ड्राइविंग करने के बाद भी हम दूसरे की गलती से हादसे का शिकार हो जाते हैं। हमें ऐसी स्थिति से बचना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आपके लिए तरक्की के योग हैं। कार्यक्षेत्र में जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य प्राप्त होगा।	**तुला** आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी।
वृषभ आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन संतोष व शांति से भरा होगा।	**वृश्चिक** आपको किसी बीमारी के कारण से डॉक्टर के चक?कर लगाने पड़ सकते हैं।
मिथुन दिन सफलता से भरा होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा।	**धनु** ऑफिस में लोग काम की प्रशंसा करेंगे। पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा।
कर्क आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग हैं। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।	**मकर** आपको वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से खुशी और लाभ मिलने का योग है।
सिंह आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे।	**कुंभ** नौकरीपेशा लोगों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। प्रतिस्पर्धा की भावना तेज रहेगी।
कन्या रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।	**मीन** समय ऑफिस के बाहर के बीतेगा। योजनाओं पर काम करने में कुछ मुश्किलें आ सकती हैं।

विशेष

2013 के बाद 2025 में कैग एक बार फिर चचाओं में

भारत के महालेखा परीक्षक केग 2013 के बाद एक बार फिर चचाओं में आ गया है। अन्ना आंदोलन के दौरान और विधान सभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने केग की रिपोर्ट को आधार बनाकर कांग्रेस की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को दिल्ली के सिंहासन से उतार दिया था। पिछले तीन बार से अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बनते आ रहे हैं। इस बार भाजपा ने केग की रिपोर्ट को आधार बनाकर, केजरीवाल को कैग की ऑडिट रिपोर्ट के सहारे अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को घेरने का प्रयास किया। भाजपा का यह दांव भी उल्टा पड़ गया। केग की रिपोर्ट अभी तक संसद और विधानसभा के पटल पर नहीं रखी गई है। भाजपा नेताओं ने इसे सूत्रों के हवाले से लीक रिपोर्ट बताया। आम आदमी पार्टी ने इसका जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री आवास को निशाना बना लिया। केजरीवाल के मुख्यमंत्री आवास को दिखाने के लिए अड़ गए। दिल्ली के उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री निवास को बंद करा दिया। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के आवास के ऑडिट को लेकर भाजपा पर हमला किया। जिसके कारण कैग का दांव भाजपा को उल्टा पड़ा। भाजपा नेताओं को यह समझ नहीं आ रहा है। आम आदमी पार्टी से निपटें,तो कैसे निपटे। शराब घोटाले का मामला पिट गया। मुख्यमंत्री आवास शीश महल का मामला भी पिट गया। मतदाताओं के नाम घटाने और बढ़ाने के मामले में भाजपा के साथ-साथ आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग को भी घेर लिया। अब देश भर में चर्चा हो रही है। आरोप लगाना और चुनाव लड़ना सीखना है। तो आम आदमी पार्टी से सीखो। ईंट का जवाब पत्थर से देना,कोई जानता है, तो वह आम आदमी पार्टी है।

कार्टून कोना

बीजेपी ने निकाला आप का तोड़, जनता को 300 यूनिट मंदिरों को 500 यूनिट फ्री बिजली

आज का इतिहास

1598 पोप क्लीमेन्ट आठवें ने इटली में फेरारा की डची पर कब्जा किया. 1848 पालेमो में विद्रोह हुआ. 1863 स्वामी विवेकानंद का जन्म. 1879 अफ्रीका में ब्रिटिश जुलु युद्ध भड़का. 1934 प्रसिद्ध क्रांतिकारी सूर्यसेन (मास्टर दा) को चटगाँव जेल में फांसी दे दी गई. 1945 द्वितीय विश्व युद्ध में बेल्जियम से जर्म फौजें पीछे हटी. 1953 यूगोसलाव नेशनल असेम्बली ने नया संविधान स्वीकार किया. 1958 सोवियत संघ ने आर्कटिक से भूमध्यसागर तक के क्षेत्र को परमाणु मुक्त रखने का प्रस्ताव किया. 1964 जंजीबार गणराज्य बना. 1967 चीन में सांस्कृतिक क्रांति के दौरान सेना ने माओत्से तुंग को समर्थन देने की घोषणा की. 1970 अलग हुए बियाफा ने हथियार डाल दिए और नाइजीरियाई गृहयुद्ध समाप्त हो गया. 1972 शेख मुजीबुर्रहमान बांगलादेश के प्रधानमंत्री बने. 1976 थाइलैंड में मिली-जुली सरकार ने इस्तीफा दिया. 1990 रोमानियाई कम्युनिस्ट पार्टी समाप्त हो गई.

दैनिक पंचांग

12 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

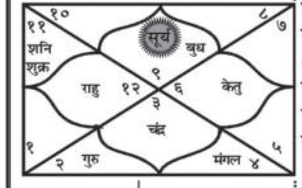

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	06.56 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कुंभ	08.42 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	10.15 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.45 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	13.26 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	15.24 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	17.37 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	19.53 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.05 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		तुला	00.16 बजे से
		वृश्चिक	02.31 ब.से
		धनु	04.47 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 12 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 05.03 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 11.25 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 09.09 बजे को समाप्त। **करण** गर 17.46 बजे तदनन्तर वणिज 05.03 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.1 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 38' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872222 **जूलियन दिन** 2460687.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रज्जब **तारीख** 11 **विशेष** स्वामी विवेकानंद जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या अंतर है ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर और चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर में, कैसे मिलती है यह नौकरी

आपने बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम तो जरूर सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी न कभी आपके काम भी आते होंगे। तो चलिए बीडीओ और सीडीओ में के बीच अंतर को जान लेते हैं।

आप लोगों ने आए दिन अपनी रोजमर्रा की जिदंगी में बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी ने कभी आपके काम आते होंगे। हालांकि बीडीओ और सीडीओ में क्या फर्क है इसे लेकर लोगों के अंदर काफी कंफ्यूजन होता है। दोनों में से किसके पास ज्यादा पावर होता है इसकी भी जानकारी लोगों के पास नहीं होती है।

क्या है बीडीओ और सीडीओ में फर्क

बीडीओ का मतलब ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर होता है। इनका काम ब्लॉक के अंतर्गत विकास संबधित प्रोग्रामों के कार्यन्वयन की देखरेख करना है। वहीं दूसरी ओर चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर जिले के सभी ब्लॉकों के योजनाओं के डेवलपमेंट की निगरानी और देखरेख करना है। बीडीओ की नियुक्ति राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। दूसरी ओर सीडीओ पद की नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है।

बीडीओ के कार्य

ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर राज्य का एक सरकारी ऑफिसर होता है, जो किसी ब्लॉक के विकास और गतिविधियों के लिए कार्य करता है। उसके पास ही विकास और अन्य गतिविधियों की जिम्मेदारी होती। बीडीओ का पद पंजायती राज्य व्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। बीडीओ के विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के विकास के लिए काम करता है। यह प्रशासन के लिए जिम्मेदार होते हैं। बीडीओ ब्लॉक समिति के सदस्य होते हैं। किसी जिले के सभी बीडीओ भी जिला पंचायत या जिला परिषद का हिस्सा होते हैं।

सीडीओ के कार्य

चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर भारतीय राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में एक एडमिनिस्ट्रेटिव पद के रूप में जाना जाता है। सीडीओ राज्य और केंद्र सरकारों की गरीबी उन्मूलन और बेसिकक स्ट्रक्चर के निर्माण की विभिन्न डेवलपमेंट स्कीम की देखरेख करना है। सीडीओ जिलाधिकारी के सुपरविजन और कंट्रोल में काम करते हैं। सीडीओ के अंतर्गत आने वाले सभी ब्लॉक के विकास से संबधित सभी कार्यों की निगरानी करता है।

पर्यावरण इंजीनियरिंग में हैं बेहतरीन संभावनाएं

पर्यावरण इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है जो पर्यावरण की रक्षा और उसे बेहतर बनाने के लिए इंजीनियरिंग सिद्धांतों और तकनीकों का इस्तेमाल करता है। यह काफी बड़ा क्षेत्र है, जो कई विषयों को जोड़ता है, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, गणित, और इंजीनियरिंग। बुनियादी तौर पर विज्ञान के सिद्धांतों तथा इंजीनियरिंग की तकनीकों का मिश्रण है। इस मेल से कई विधाओं का प्रयोग पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए किया जाता है।

पूरी दुनिया में पर्यावरण संकट से निपटने के लिए बड़े स्तर पर काम किए जा रहे हैं। यह भी एक सच है कि पृथ्वी पर मौजूद मानव समाज द्वारा फैलाए जा रहे अलग-अलग तरह के प्रदूषण को देखते हुए ये उपाय पर्याप्त नहीं हैं। अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। प्रदूषण से संबंधित चिंताओं तथा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग या पर्यावरण इंजीनियरिंग का विकास हुआ था। आज इस क्षेत्र के युवा प्रोफेशनल्स की मांग देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी है। इंजीनियरिंग के अलावा पर्यावरण में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक सुनहरा करिअर है। बिना किसी शक के पर्यावरण क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने हाल के सालों में प्रदूषण कंट्रोल करने के लिए तकनीकों के साथ उपायों का विकास करने में जबरदस्त सफलता हासिल की है। एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग बुनियादी तौर पर विज्ञान के सिद्धांतों तथा इंजीनियरिंग की तकनीकों का मिश्रण है तथा इस मेल से कई विधाओं का प्रयोग पर्यावरण से प्रदूषण कम करने में किया जाता है। इसके अंतर्गत जहां एक ओर फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के अतिरिक्त इकोलॉजी, रेडियोलॉजिकल विज्ञान जैसी शाखाओं से मदद मिलती है, वहीं दूसरी ओर इंजीनियरिंग की मैकेनिकल, सिविल तथा अन्य ब्रांचों की उपयोगिता भी कम नहीं है।

एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में है रोजगार की संभावनाएं

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इंजीनियरिंग की 70 से अधिक शाखाएं होने के बावजूद केवल 10 प्रमुख इंजीनियरिंग शाखाओं में एडमिशन लेने के लिए होड़ रहती है। ऐसे में भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए परंपरागत इंजीनियरिंग शाखाओं को छोड़ते हुए एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग को अपनाना बहुत समझदारी का फैसला हो सकता है। इंजीनियरिंग की इस शाखा में प्रवेश के लिए होड़ की स्थिति न होने के कारण प्रतिष्ठित और नामी संस्थानों में प्रवेश पाना अन्य इंजीनियरिंग शाखाओं की तुलना में काफी आसान होगा। देश में यह विधा नई है, इसलिए जॉब्स पाने की संभावनाएं भी कहीं ज्यादा होंगी। कई संस्थाओं द्वारा इस तरह के कोर्स शुरू किए जाने पर शिक्षक के तौर पर भी काम करने के अवसर मिल सकते हैं। इस क्षेत्र में ऐसे लोगों को जाना चाहिए, जिनमें पर्यावरण के प्रति लगाव हो। प्रदूषण से लड़ाई को जो लोग अपनी निजी लड़ाई समझते हों।

कई तरह के कोर्स चलाए जाते हैं

देश के कई विश्वविद्यालयों में एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग पर आधारित कई तरह के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। ये बैचलर और मास्टर्स डिग्री के स्तर से लेकर पीएचडी तक हो सकते हैं। सरकारी ही नहीं बल्कि निजी क्षेत्र के संस्थान भी ऐसे कोर्स संचालित करते हैं। एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग के कोर्स में प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है। बारहवीं में गणित विषय समूह के साथ विज्ञान विषयों की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी ही इस प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। चार साल की इंजीनियरिंग डिग्री के बाद इस क्षेत्र में एमटेक भी कर सकते हैं। मेरिट पाए छात्रों के लिए विदेशी यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप पर पीएचडी करना भी आसान है।

एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग में क्या होते हैं काम

प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियमों को तैयार करना, समय-समय पर उनमें जरूरी बदलाव करना। इस तरह के प्रोजेक्ट्स की क्वालिटी को कंट्रोल करने के लिए सरकारी तथा गैर-सरकारी पर्यावरण सुधार कार्यक्रमों की प्रगति पर नजर रखना। औद्योगिक संस्थानों एवं नगर निगम पालिकाओं के पर्यावरण नियमों के एक्टिविटीज से जुड़ना। प्रदूषित स्थानों में सुधार के लिए एजेंसियों को कंसल्टेंसी सर्विस देने जैसे काम करना। पर्यावरण सुरक्षा एवं प्रदूषण संबंधी कानूनी मामलों में सलाह देना।

बढ़ रही है प्रोफेशनल की मांग

भारत में पर्यावरण के संरक्षण के प्रति केंद्र पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता तथा सरकारी स्तर पर बढ़ते खर्चों को देखते हुए प्राइवेट सेक्टर में भी इस क्षेत्र में काम करने वाली छोटी-बड़ी कंपनियां अब अस्तित्व में आ चुकी हैं। यही नहीं, रिसर्च इंस्टीट्यूट, एनजीओ आदि में भी इस तरह के एक्सपर्ट्स की मांग भविष्य में और तेजी से बढ़ने की संभावना है। विदेश में इस तरह के एक्सपटर्स के लिए रोजगार की बेहतरीन संभावनाएं हाल के सालों में बहुत तेजी से बढ़ी है।

एन्वाइरन्मेंटल इंजीनियर के लिए संस्थान

- आईआईटी कानपुर
- मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद
- डीवाई पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कोटा
- यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)
- विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, बेलगांव (कर्नाटक)
- मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल (मध्य प्रदेश)

भूल से भी ना करें ये फाइनेंशियल मिसटेक्स

आज की यंग जनरेशन कम उम्र में ही अपने पैरों पर खड़ा होने की चाहत रखती है। शायद यही कारण है कि यंगस्टर्स पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब या फिर फ्रीलांस वर्क करना पसंद करते हैं। यकीनन यह एक अच्छा ऑप्शन है। जब आप कमाना शुरू करते हैं तो आप आत्मनिर्भर बनते हैं। हालांकि आपके लिए सिर्फ पैसा कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उन पैसों को किस तरह हैंडल करते हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही जरूरी है।

अक्सर यह देखने में आता है कि जब यंगस्टर्स पैसा कमाना शुरू करते हैं तो उन्हें पैसा हैंडल करना नहीं आता है। जिसके कारण वे अपनी मेहनत की कमाई को यूं ही खर्च कर देते हैं या फिर कुछ मिसटेक्स के कारण उन्हें फाइनेंशियल लॉस हो जाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही फाइनेंशियल मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचने की कोशिश करनी चाहिए-

बजट तय ना करना

यह एक कॉमन गलती है, जो अक्सर यंगस्टर्स कर बैठते हैं। दरअसल, जब यंगस्टर्स कमाना शुरू करते हैं तो उन पर अमूमन पारिवारिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं। ऐसे में उनके द्वारा कमाए गए पैसे सिर्फ उनके ही होते हैं। कई बार वे पूरे सप्ताह काम करके पैसे कमाते हैं और वीकेंड में उसे खर्च कर देते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा एक बजट बनाएं, जिससे आप जरूरत के अनुसार खर्च कर पाएं। साथ ही साथ, इमरजेंसी के लिए कुछ पैसे अवश्य अलग से रखें।

इनवेस्टमेंट स्कीम को इग्नोर करना

अपनी कमाई के शुरुआती दिनों में लोग इनवेस्टमेंट की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। जबकि इस समय इनवेस्ट करना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि इस समय आप रिस्क ले सकते हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियां ना होने के कारण आमदनी के एक बड़े हिस्से को निवेश कर सकते हैं। जिससे आपको अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना

अगर आपने अभी-अभी पैसे कमाना शुरू किया है तो तुरंत क्रेडिट कार्ड खरीदकर उसे इस्तेमाल करना शुरू ना करें। दरअसल, अभी आपने पैसों को सही ढंग से संभालना नहीं सीखा है। ऐसे में अगर आपकी जेब में क्रेडिट कार्ड होगा तो आपके बेवजह पैसे खर्च करने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए, शुरुआत में कुछ वक्त डेबिट कार्ड ही इस्तेमाल करें। जब आप पैसों को सही ढंग से मैनेज करना सीख जाएं, जब क्रेडिट कार्ड लेने पर विचार करें।

अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करना

आपके लिए कपड़े, हॉलिडे और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स आदि पर अत्यधिक खर्च करना आकर्षक हो सकता है। जब आपकी आमदनी उन गैर-जरूरी चीज़ों को कवर नहीं करती है। कुछ लोग लोन लेकर भी अपनी इन इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। आपको यह सीखना है कि अपनी क्षमता के भीतर कैसे रहना है, अपनी कमाई से अधिक खर्च नहीं करना है।

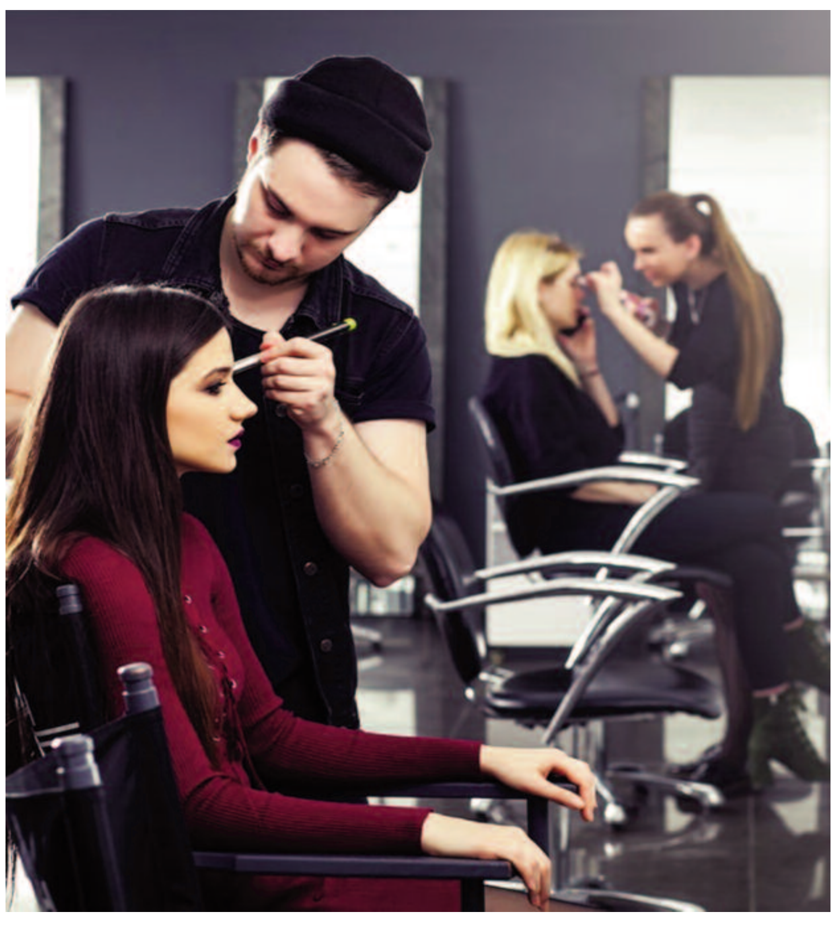

कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में बनाना चाहते हैं करियर तो फॉलो करें ये स्टेप्स

कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए तकनीक में सुधार और नयापन नए तरीके आने के साथ ही त्वचा, बाल और नाखून संबंधी जटिलताओं का आसानी से इलाज कर सकने वाली कॉस्मेटोलॉजी सच में पसंद किए जाने वाले उपचारों में से एक बन गई है। जलवायु, प्रदूषण, तनाव, असंतुलित खानपान, निष्क्रिय जीवन शैली, जीवन की रफ्तार में अनियमित बदलाव और नवीनतम गैजेट्स तथा तीव्र दवाओं के असर से न केवल बुजुर्गों और महिलाओं, बल्कि दवाओं को भी आंखों के नीचे सूजन, मसल्स टोन में कमी, समय से पहले झुर्रियां, खून के प्रवाह में गड़बड़ी, मुस्कान के निशान बनने जैसी समस्याएं होने लगती है। लेकिन कॉस्मेटोलॉजी के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान हो सकता है और आप हर समय एक सामान्य रंग-रूप बनाए रख सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी सौंदर्य उद्योग में सबसे रोमांचक करियर विकल्पों में से एक है। इसमें ग्राहकों की जरूरतों को समझने के लिए ढेर सारे शोध शामिल हैं और खास समस्याओं को हल करने के लिए खास किस्म के कौशल की दरकार होती है। कॉस्मेटोलॉजी एक अनूठा कार्य क्षेत्र है, जिसमें न केवल महिलाएं, बल्कि पुरुष भी सीख सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए योग्यताएं

कॉस्मेटोलॉजी के करियर में बनाने के लिए व्यावसायिक कौशल निश्चित रूप से मायने रखता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट में प्रशिक्षण, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के साथ उचित गुण और आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। इसके होने या न होने से करियर बन भी सकता है और बिगड़ भी सकता है। एक कॉस्मेटोलॉजिस्ट बाल और मेकअप डिजाइन के माध्यम से खूबसूरती बढ़ाता है और एक नया रूप देता है। उसके लिए स्वाभाविक रूप में रचनात्मक होना जरूरी है, क्योंकि कॉस्मेटोलॉजिस्ट को अपने ग्राहकों के लिए हेयरस्टाइल की परिकल्पना करने या उन्हें उनकी जरूरत के हिसाब से स्टाइल देने में सक्षम होना चाहिए।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट सेक्टर में कस्टमर सर्विस

फॉरमेटोलॉजिस्ट को ग्राहकों के साथ अच्छे संबंध बनाने चाहिए, क्योंकि उनका ज्यादातर व्यवसाय ग्राहकों के बार-बार आने और उनके द्वारा दूसरों को बताने पर निर्भर करता है। उन्हें अपने ग्राहकों की जरूरतों को ठीक-ठीक समझने के लिए उनके साथ पर्याप्त मात्रा में समय बिताने की जरूरत होती है, इसलिए अच्छे कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद अहम है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट को अपने ग्राहकों को सटीक जरूरतों को गौर से सुनना चाहिए और उनके पसंद के मुताबिक सेवाएं देनी चाहिए।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए तकनीकी कौशल

तकनीकी कौशल के लिए आपको कॉस्मेटोलॉजी से संबंधित विशिष्ट पाठ्यक्रमों वाले संस्थान में दाखिला लेना होगा। ये व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से उपलब्ध होते हैं, जिनमें मेकअप, सौंदर्य, बाल और नाखून संबंधी कोर्स शामिल है।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट में होनी चाहिए सहानुभूति

एक कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए लंबे समय तक खड़े रह सकने को शारीरिक क्षमता जरूरी है। इसके अलावा, कॉस्मेटोलॉजिस्ट को स्टाइलिंग के दौरान कस्टमर के बाल बार-बार सेट करने और सुखाने, साथ ही हाथों को एक निश्चित स्थिति में थामे रहने की जरूरत पड़ती है, इसलिए हाथों को स्थिर बनाए रखते हुए ऐसा करने के लिए उनमें मजबूत शारीरिक क्षमताएं होनी ही चाहिए।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट सेक्टर में संभावनाएं

सौंदर्य उद्योग में करियर की असीमित संभावनाएं हैं। यह अनुभव और प्रतिष्ठा बढ़ाने के साथ आय में बढ़ोतरी की संभावनाओं से ये करियर विकल्प है। प्रशिक्षित कॉस्मेटोलॉजिस्ट ब्यूटी पार्लर, महंगे सैलून और आलीशान होटल व रिसॉर्ट्स में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। टेलीविजन और फिल्म उद्योग में मेकअप प्रोफेशनल्स की मांग हमेशा ही होती है। इसके अलावा, फैशन जगत में भी उनकी मांग रहती है।

ये संस्थान, जो कॉस्मेटोलॉजी में कई प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं -

- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्मेटोलॉजी, मुंबई
- लॉरियल प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्मेटोलॉजी, चेन्नई
- VLCC इंस्टीट्यूट ऑफ ब्यूटी एंड वेलनेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्मेटोलॉजी, नई दिल्ली

बैंकों के पास तरलता की दिक्कत से कर्ज पर ऊंची रह सकती ब्याज दरें

बैंकरों ने सीआरआर में कटौती का सुझाव दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों के पास तरलता की दिक्कत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कुछ बाजार सहभागियों ने आरबीआई से प्रणाली में तरलता बढ़ाने की मांग की है, ताकि बैंक आसानी से उधार दे सकें। सहभागियों के समूह ने बृहस्पतिवार देर रात केंद्रीय बैंक के अधिकारियों से मिलकर इससे निपटने के उपाय भी सुझाए। बैंकिंग प्रणाली में तरलता की दिक्कत बरकरार रहती है तो उधार पर ब्याज दरें ऊंची रहने की संभावना है। इससे कर्ज देने की रफ्तार प्रभावित हो सकती है, खासकर जब देश की आर्थिक वृद्धि धीमी हो रही है।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ बैंकरों ने बैंकों के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में अस्थायी कटौती का भी सुझाव दिया। इससे बैंकों के पास नगदी बढ़ जाएगी। सीआरआर वह हिस्सा होता है, जो बैंक आरबीआई के पास रखते हैं। दिसंबर के मध्य से बैंकिंग प्रणाली की तरलता लगातार गिर रही है।

पिछले पांच हफ्तों में दैनिक औसत कमी लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये रही है। बैंकरों ने बताया कि आरबीआई से जो पैसे वे ले रहे हैं, उसकी एक रात की दर उनकी न्यूनतम सीमांत स्थायी सुविधा दर से भी ऊपर बनी हुई है। इसका अर्थ है कि बैंक आरबीआई से उच्च ब्याज दरों पर उधार ले रहे हैं। ऐसे में बैंक ग्राहकों को भी ज्यादा ब्याज दर पर उधारी देंगे।

पर्सनल लोन की हर श्रेणी में फिक्स्ड ब्याज दर देना जरूरी, वित्तीय संस्थानों को जारी किया सवाल-जवाब का सेट

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जारी परिपत्र में कहा, बैंक या वित्तीय संस्थान जब भी और जिस तरह भी इसे कर रहे हों, ग्राहक को इसकी जानकारी देनी जरूरी है। कर्ज अवधि के दौरान, बाहरी बेंचमार्क दर के कारण ईएमआई/अवधि में किसी भी वृद्धि के बारे में ग्राहकों को सूचित करना चाहिए। तिमाही विवरण में न्यूनतम, अब तक प्राप्त मूलधन और ब्याज, शेष ईएमआई की संख्या और ऋण की अवधि के लिए ब्याज की वार्षिक दर का खुलासा किया जाना चाहिए।

दर बदलने का विकल्प देना होगा– आरबीआई के मुताबिक, पंजीकृत संस्थानों को ब्याज दरों के रीसेट के समय कर्ज लेने वालों को अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार एक निश्चित दर पर बदलने का विकल्प प्रदान करना होगा। अगस्त 2023 में आरबीआई ने बैंकों को ईएमआई के जरिये ऋण का भुगतान करने वाले व्यक्तिगत उधारकर्ताओं को एक निश्चित ब्याज दर प्रणाली या ऋण अवधि के विस्तार का विकल्प चुनने की अनुमति देने का निर्देश दिया था। रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय बैंक ने रेपो दर कई बार में 2.50 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। करीब दो साल से यह ब्याज दर उसी स्तर पर स्थिर है। इस वृद्धि के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में उधारकर्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। इससे उनकी लोन की अवधि बढ़ गई या फिर किस्त की रकम बढ़ गई।

संक्षिप्त समाचार

इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी के शेयरों का हो रहा 2 हिस्सों में बंटवारा, रिकॉर्ड डेट जनवरी में ही

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों को 2 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए शुक्रवार यानी 10 जनवरी को कंपनी ने रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान कर दिया है। आइए जानते हैं इस स्टॉक के प्रदर्शन सहित अन्य सभी डीटेल्स

कब है रिकॉर्ड डेट– जेबीएम ऑटो लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर को 2 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस बंटवारे के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 31 जनवरी 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इसी दिन कंपनी शेयर मार्केट में एक्स–स्प्लिट ट्रेड करेगी। जेबीएम ऑटो लिमिटेड का इससे पहले 2022 में शेयरों का बंटवारा हुआ था। तब कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 5 रुपये प्रति शेयर से घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो गई थी।

शेयर बाजारों में कैसा है कंपनी का प्रदर्शन– बीता एक साल जेबीएम ऑटो लिमिटेड के निवेशकों के लिए भूल जाने वाला रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों में भयंकर गिरावट देखने को मिली है। बीते 6 महीने में यह शेयर 34 प्रतिशत से अधिक गिरा है। वहीं, एक साल से कंपनी के शेयरों को होल्ड करके रखने वाले निवेशकों को अबतक करीब 24 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा है। बता दें, शुक्रवार को बाजारा के बंद होने के समय पर जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयर 1.61 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1468 रुपये के लेवल पर थे।

बीपीसीएल से मिला ऑर्डर, चमके सूर्या रोशनी के शेयर, कंपनी ने बांटे हैं बोनस शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी सूर्या रोशनी लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को अच्छी तेजी आई है। सूर्या रोशनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 269 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेजी एक ऑर्डर मिलने की वजह से आई है। सूर्या रोशनी ने अनाउंस किया है कि उसे भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड से 81.47 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने हाल में अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा दिया है।

कंपनी को सीजीडी प्रोजेक्ट के लिए मिला है ऑर्डर– सूर्या रोशनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है, कंपनी को बीपीसीएल से सीजीडी प्रोजेक्ट के लिए पैन इंडिया बेसिस पर 81.47 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के तहत सूर्या रोशनी 4 से 16 इंच साइज में एपीआई एल पीएसएल एलपीई कोटेड लाइन पाइप की सप्लाई करेगी। सूर्या रोशनी ने बताया है कि कंपनी को 16 हफ्तों में यह प्रोजेक्ट पूरा करना है। सूर्या रोशनी के शेयरों में पिछले 5 साल में 450 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 420.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 233.58 रुपये है।

कंपनी ने हाल में बांटे हैं बोनस शेयर– सूर्या रोशनी लिमिटेड ने हाल में अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा दिया है। कंपनी ने 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा है।

अडानी की कंपनी ने बेचे 17.54 करोड़ शेयर, 4850 करोड़ फंड का किया इंतजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह ने फॉर्च्यून ब्रांड के तहत संचालित होने वाली कंपनी अडानी विल्मर में अपनी 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 4,850 करोड़ रुपये जुटाए। बता दें कि अडानी समूह ने कंपनी में 17.54 करोड़ शेयर (13.50 प्रतिशत इक्विटी) 10 जनवरी को गैर–खुदरा निवेशकों को और 13 जनवरी को खुदरा निवेशकों को 275 रुपये प्रति शेयर के आधार मूल्य पर बेचने की घोषणा की थी। इस बिक्री पेशकश (ओएफएस) में 8.44 करोड़ शेयर यानी 6.50 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी को अलग से बेचने का विकल्प भी रखा गया है।

देखी गई तगड़ी डिमांड– शेयर बाजार से मिली जानकारी के मुताबिक अडानी एंटरप्राइजेज की सब्सिडयरी अडानी कमोडिटीज एलएलपी ने शुक्रवार को गैर–खुदरा निवेशकों को अदाणी विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए बिक्री पेशकश को पूरा किया। इस लेनदेन में अलग–अलग अंतरराष्ट्रीय और घरेलू निवेशकों की तरफ से तगड़ी मांग देखी गई। भारतीय पूंजी बाजार के हाल के समय में आए

सबसे बड़े ओएफएस में से एक में 100 से अधिक निवेशकों ने शिरकत की। समूह ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा– हम शेयर बाजारों को इस पेशकश में 1.96 करोड़ शेयरों (1.51 प्रतिशत) तक अधिक खरीद के विकल्प का प्रयोग करने के अपने इरादे से अवगत कराना चाहते हैं। वहीं 17.54 करोड़ इक्विटी शेयर मूल पेशकश का हिस्सा होंगे। इस तरह पेशकश में रखे गए शेयरों की कुल संख्या 19.50 करोड़ (15.01 प्रतिशत) तक हो जाएगी, जिसमें से 1.95 करोड़ (1.50 प्रतिशत) 13 जनवरी को पेशकश के हिस्से के रूप में उपलब्ध होंगे। इस लेनदेन के साथ समूह इस वित्त वर्ष में अब तक कुल 3.15 अरब डॉलर की इक्विटी पूंजी जुटा चुका है।

कंपनी से बाहर निकलने का पहला चरण– ओएफएस के सफल समापन के साथ अडानी विल्मर ने न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) मानदंडों का अनुपालन कर लिया है जिसमें प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 74.37 प्रतिशत और शेष 25.63 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारकों के पास है। यह ओएफएस समूह के अडानी विल्मर लिमिटेड से बाहर निकलने का पहला चरण है जिसमें इसकी 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दूसरे चरण में विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड ने 305 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर शेष हिस्सेदारी हासिल करने पर सहमति जताई है।

पिछले महीने किया था ऐलान– अडानी समूह अपने मुख्य इंफ्रा स्ट्रक्चर व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए गैर–प्रमुख गतिविधियों से बाहर निकलने की रणनीति के तहत यह बिक्री कर रहा है। समूह ने पिछले महीने अडानी विल्मर से अपनी हिस्सेदारी का बड़ा हिस्सा एक ज्वाइंट वेंचर पार्टनर को बेचकर बाहर निकलने की घोषणा की थी।

6 महीन के हाई पर आईआईपी ग्रोथ, विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर लगा झटका

नईदिल्ली, एजेंसी। त्योहारी मांग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी के कारण देश में औद्योगिक उत्पादन बीते साल नवंबर में 5.2 प्रतिशत बढ़कर छह महीने के उच्चतम स्तर पर रहा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक नवंबर, 2023 में आईआईपी में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इससे पहले औद्योगिक उत्पादन में उच्चतम वृद्धि दर मई, 2024 में 6.3 प्रतिशत रही थी।

अप्रैल-नवंबर के बीच आईआईपी के आंकड़ें– आंकड़ों के मुताबिक आईआईपी के संदर्भ में मापी गई औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि अप्रैल-नवंबर 2024 में 4.1 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 6.5 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, नवंबर महीने में खनन उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 1.9 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें सात प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

किस सेक्टर में कितनी बढ़ोतरी– मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि दर नवंबर में बढ़कर

5.8 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 1.3 प्रतिशत थी। बिजली उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 4.4 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले 5.8 प्रतिशत थी। नवंबर, 2024 में उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन की वृद्धि दर 0.6 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रही, जबकि नवंबर, 2023 में इसमें 3.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार इंफ्रा/मैन्युफैक्चरिंग वस्तुओं में नवंबर, 2024 में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि थी।

विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट– इस बीच, देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन जनवरी को समाप्त सप्ताह में 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर पर आ गया। इस सप्ताह में गोल्ड रिजर्व का मूल्य 82.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.09 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.11 अरब अमेरिकी डॉलर घटकर 640.28 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या नौ वर्षों में 400 से बढ़कर 1.57 लाख, फंडिंग 14 गुना बढ़कर 115 अरब डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के स्टार्टअप में नौ साल में फंडिंग 14 गुना से ज्यादा बढ़कर 115 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। 2016 में यह सिर्फ 8 अरब डॉलर थी। इस अवधि में स्टार्टअप इंडिया पहल के लॉन्च के बाद से 2024 के अंत तक पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 400 से बढ़कर 1.57 लाख से अधिक हो गई है। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के मुताबिक, समर्पित स्टार्टअप नीतियों वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्टार्टअप की संख्या 2016 के चार से बढ़कर 31 हो गई है। यूनिकॉर्न की भी संख्या कई गुना बढ़ी है। 2016 में 8 यूनिकॉर्न थे, जो अब 118 हो गए हैं। कम से कम एक अरब डॉलर मूल्य वाले स्टार्टअप को यूनिकॉर्न कहते हैं। सरकार ने नवाचार को बढ़ावा देने और स्टार्टअप तंत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की थी।

2016 से अब तक 17 लाख से अधिक को मिलीं नौकरियां– डीपीआईआईटी के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय स्टार्टअप्स ने पिछले नौ साल में 17 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत एक अप्रैल, 2016 या उसके बाद बने स्टार्टअप आयकर छूट के लिए आवेदन कर सकते हैं।

90 घंटे काम करने वाली बहस पर बोले सीईओ दीपक शेनॉय

मैं सप्ताह में 100 घंटे काम करता हूं...

नईदिल्ली, एजेंसी। लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन के सप्ताह में 90 घंटे काम करने के बयान ने सोशल मीडिया पर कार्य संतुलन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। अब इस मामले पर एक और कारोबारी कैपिटलमाइंड के संस्थापक और सीईओ दीपक शेनॉय की प्रतिक्रिया सामने आई है। जिसमें उन्होंने उत्पादकता और कार्य संतुलन पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि, वे अक्सर सप्ताह में 100 घंटे से ज्यादा काम करते हैं।

असली काम दिन में 4–5 घंटे में होता है– एसएन सुब्रह्मण्यन के बाद एक्स पर कैपिटलमाइंड के संस्थापक और सीईओ दीपक शेनॉय ने लिखा कि मैंने अपने पूरे कार्यकाल में शायद सप्ताह में 100 घंटे काम किया है, लेकिन उसमें से अधिकांश काम मैंने एक कारोबारी के तौर पर किया है। आपको काम के घंटे लागू करने की जरूरत नहीं है, जो लोग प्रेरित हैं वे खुशी से काम करेंगे। वैसे भी अधिकतर असली काम दिन में 4–5 घंटे में होता है, लेकिन आपको नहीं पता कि ऐसा कब होता है। दीपक शेनॉय ने आगे लिखा कि मुझे अभी भी बैठकों को काम कहना मुश्किल लगता है, लेकिन इसमें उस काम से ज्यादा ऊर्जा लगती है जिसे मैं काम कहता हूं। कुछ हद तक यह काम एक्स घंटे का तर्क मेरे लिए समझ से परे है। जब मैं खेलता हूं, तो मैं जमकर खेलता हूं। जब मैं काम करता हूं, तो मैं जमकर काम करता हूं। एसएन सुब्रह्मण्यन की टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर जमकर लोगों और सेलेब्रिटी की ओर से प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा कि सप्ताह में 90 घंटे संडे का नाम बदलकर सन–ड्यूटी क्यों न कर दिया जाए और छुट्टी का दिन को एक मिथकीय अवधारणा क्यों न बना दिया जाए मैं कड़ी मेहनत और समझदारी से काम करने में विश्वास करता हूं, लेकिन जीवन को एक सतत कार्यालय शिफ्ट में बदल देना यह सफलता नहीं, बल्कि बर्नआउट का नुस्खा है। वहीं इस मामले पर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने कहा कि, ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के मुंह से इस तरह का बयान सुनना चौंका देने वाला है। मानसिक स्वास्थ्य मायने रखता है। पूर्व बैडमिंटन स्टार ज्वाला गुट्टा ने एलएंडटी के चेयरमैन पर जमकर निशाना साधा। ज्वाला गुट्टा ने लिखा कि, उसे अपनी पत्नी को क्यों नहीं निहारना चाहिए और केवल रविवार को ही क्यों यह दुखद और कभी–कभी अविश्वसनीय है कि ऐसे पढ़ें लिखे और बड़े संगठनों के ऊंची पदों पर बैठे लोग मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक आराम को सीरियस नहीं ले रहे हैं और इस तरह के महिला विरोधी बयान दे रहे हैं।

सिर्फ 2500 रुपये से शुरू किया था काम, आज 50 करोड़ का कारोबार

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार में गया के रहने वाले प्रमोद कुमार भदानी की कहानी प्रेरणादायक है। कभी 2,500 रुपये की पूंजी से लड्डू बेचने वाले प्रमोद आज करोड़ों के मालिक हैं। वह प्रमोद लड्डू भंडार चलाते हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत और थोड़े से भाग्य के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनका व्यवसाय बिहार-झारखंड सहित कई राज्यों में फैला है। उनका सालाना कारोबार 50 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का है। आइए, यहां प्रमोद कुमार भदानी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

गरीबी में बीता बचपन – प्रमोद कुमार भदानी एक साधारण परिवार से आते हैं। उनका बचपन गरीबी में बीता। उनके पिता एक छोटे मिठाई वाले थे। वह ठेले पर लड्डू बेचकर परिवार का गुजारा करते थे। प्रमोद ने सरकारी स्कूल में पढ़ाई की। लेकिन, 14 साल की उम्र में ही पढ़ाई छोड़ दी। वह अपने पिता का हाथ बंटाना चाहते थे। अपने भाई के साथ मिलकर उन्होंने पिता से 2,500 रुपये उधार लिए। फिर अपने शहर में लड्डू की रेहड़ी लगाना शुरू किया। उनके स्वादिष्ट लड्डू जल्द ही लोगों के बीच लोकप्रिय हो गए। उनका व्यापार चल निकला। लेकिन, प्रमोद यहीं नहीं रुकना चाहते थे। वह अपने व्यापार को बड़ा बनाना चाहते थे।

दिन-रात की कड़ी मेहनत

प्रमोद का सपना एक बड़ा व्यापार खड़ा करना था। इसके लिए उन्होंने दिन–रात मेहनत की। रात भर लड्डू बनाते और दिन में बेचते। वह रोजाना 19 घंटे काम करते थे। सोने का भी ठीक से समय नहीं मिलता था। उन्होंने अपना छोटा सा व्यापार बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की। प्रमोद को पहली बड़ी सफलता तब मिली जब उन्होंने रेहड़ी से एक छोटी सी मिठाई की दुकान खोली।

कई राज्यों में फैला है बिजनेस

प्रमोद लड्डू भंडार की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा और कोलकाता में उनके कुल आठ आउटलेट हैं। उनका सालाना टर्नओवर 50 करोड़ रुपये है। अपने खास लड्डू के अलावा, प्रमोद लड्डू भंडार अन्य मिठाइयां, नमकीन और बेकरी उत्पाद भी बेचता है। कभी रेहड़ी पर लड्डू बेचने वाले प्रमोद कुमार भदानी आज करोड़पति उद्यमी हैं।

ये चीजें बनीं सफलता का फॉर्मूला – प्रमोद कुमार भदानी सफलता का असली मंत्र ग्राहकों की जरूरतों और क्वालिटी को मानते हैं। उन्होंने हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि 100 रुपये के सामान में ग्राहकों को 92-94 रुपये का मूल्य मिले। उनका मानना है कि ग्राहक और सप्लायर के बीच अच्छे संबंध होने से ही कारोबार में सफलता मिलती है। प्रमोद की कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणा है जो कम संसाधनों से बड़ा काम करना चाहते हैं। यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, लगन और दूरदृष्टि से कुछ भी संभव है।

एचडीएफसी बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। अब बैंक 3 करोड़ से 5 करोड़ रुपए तक के डिपॉजिट पर सामान्य नागरिकों को 7.40 प्रतिशत तक और सीनियर सिटीजंस को 7.9 प्रतिशत तक ब्याज देगा। एफडी की अवधि के आधार पर बैंक ने विभिन्न दरें निर्धारित की हैं।

उदाहरण के लिए 7 से 29 दिन और 30 से 45 दिन की एफडी पर क्रमशः 4.75 प्रतिशत और 5.50 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। 46 से 60 दिनों की एफडी पर 5.75 प्रतिशत और 61 से 89 दिनों की एफडी पर 6 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक ने 7 जनवरी, 2025 से एमसीएलआर दरों में भी बदलाव किया है। अब नई दरें 9.15 प्रतिशत से 9.45 प्रतिशत तक होंगी। इसके तहत, एक महीने की एमसीएलआर 9.20 प्रतिशत पर बनी हुई है जबकि तीन महीने की दर 9.30 प्रतिशत है। छह महीने और एक साल की एमसीएलआर दरें 9.45 प्रतिशत हो गई हैं।

एक्सिस बैंक की एफडी दरें– एक्सिस बैंक ने 3 करोड़ से 5 करोड़ रुपए तक के डिपॉजिट पर एक वर्ष से लेकर 1 वर्ष, 24 दिन की अवधि तक 7.30 प्रतिशत ब्याज देने की घोषणा की है। सीनियर सिटीजंस को 7.80 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

भारतीय स्टेट बैंक की एफडी दरें– भारतीय स्टेट बैंक 3 करोड़ और उससे अधिक डिपॉजिट पर 7 प्रतिशत ब्याज दे रहा है, जबकि सीनियर सिटीजंस को 7.50 प्रतिशत तक ब्याज मिल रहा है।

ज्यादा से ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतना है लक्ष्य: अलकाराज

मेलबर्न, एजेंसी। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले जितने संभव हो सके उतने ग्रैंड स्लैम जीतने का अपना लक्ष्य व्यक्त किया। 21 वर्षीय खिलाड़ी के संग्रह से ऑस्ट्रेलियन ओपन एकमात्र प्रमुख खिताब है जो वह जीते नहीं है. अल्काराज़ ने कहा, मेरे लिए लक्ष्य ग्रैंड स्लैम, मास्टर्स 1000 जीतने की कोशिश करना है। मेरे लिए वे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं। उन्होंने कहा, जाहिर है कि रैंकिंग लक्ष्यों में ऊपर है, साथ ही, मैं जैनिक (सिनर) के जितना करीब हो सकता हूं उतना करीब पहुंचने की कोशिश कर रहा हूं या (अलेक्जेंडर) जवेरेव को भी पीछे छोड़ने की कोशिश कर रहा हूं। रैंकिंग वहां है। लेकिन मेरे लिए मुख्य बात ग्रैंड स्लैम है, जितना हो सके उतने ग्रैंड स्लैम जीतने की कोशिश करना,

अलकाराज़ ने पहले ही चार प्रमुख खिताब हासिल कर लिए हैं, हाल ही में सेवानिवृत्त हुए एंडी मरे और पूर्व विश्व नंबर 3 स्टेन वावरिंका जैसे महान खिलाड़ियों की उपलब्धियों को पीछे छोड़ दिया है। 2024 में, स्पैनियार्ड और जैनिक सिनर ने ग्रैंड स्लैम दृश्य पर अपना दबदबा बनाया, प्रत्येक ने दो खिताब जीते। जून से एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर काबिज सिनर, अलकाराज़ के करियर में एक केंद्रीय व्यक्ति बन गए हैं। अलकाराज़ ने साझा किया कि कैसे उनकी रोमांचक प्रतिद्वंद्विता उनके विकास में एक प्रेरक शक्ति रही है।

जब मैं उसके खिलाफ खेल रहा होता हूं, तो मेरी मानसिकता थोड़ी अलग होती है। जब आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों या दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सामना कर रहे होते हैं, तो आपको कुछ अलग करना होता है, अलग तैयारी या अलग मानसिकता, । जब मैं उसका सामना कर रहा होता हूं, तो मुझे बस इतना पता होता है कि अगर मुझे जीतना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेलना होगा। बस इतना ही। शायद अगर जैनिक के खिलाफ़ खराब दिन होने पर 99 प्रतिशत संभावना है कि आप हार जाएं । हर बार जब मैं उसके खिलाफ़ खेलने जा रहा होता हूं, तो मेरे दिमाग में यही बात होती है। उन्होंने कहा, मेरे लिए अच्छी बात यह है कि जब मैं उसे खिताब जीतते हुए देखता हूं, जब मैं उसे रैंकिंग में शीर्ष पर देखता हूं, तो यह मुझे हर दिन और भी कठिन अभ्यास करने के लिए मजबूर करता है। अभ्यास में, मैं बस उन चीजों के बारे में सोचता हूँ जिन्हें मुझे उसके खिलाफ़ खेलने के लिए सुधारना है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत बढ़िया है, उनके साथ रहना, अब तक इतनी शानदार प्रतिद्वंद्विता, बस हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए।

अल्काराज़ और सिनर मेलबर्न पार्क में होने वाले फाइनल तक एक-दूसरे का सामना नहीं कर सकते। तीसरे वरीय खिलाड़ी का ध्यान आगे के प्रत्येक मैच पर रहेगा, जिसकी शुरुआत अलेक्जेंडर शेवचेंको के खिलाफ अपने शुरुआती मुकाबले से होगी। एक साल पहले, अल्काराज़ को ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में अलेक्जेंडर जवेरेव ने बाहर कर दिया था। उस समय, वह अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के बिना ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर गए थे, जो घुटने की सर्जरी के बाद टूर्नामेंट से चूक गए थे। हालांकि, पूर्व विश्व नंबर 1 मेलबर्न पार्क में इस साल के संस्करण के लिए अल्काराज़ के हाफ में वापस आ गया है। अल्काराज़ ने कहा, जुआन कार्लोस अब छह साल से मेरे साथ हैं। वह मुझे वास्तव में अच्छी तरह से जानते हैं। वह जानते हैं कि मैचों के दौरान मुझे क्या चाहिए, मैचों के दौरान बातें कैसे कहनी हैं।

जैसा कि मैंने पिछले साल कहा था, मेरे लिए, जुआन कार्लोस वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। मुझे टूर्नामेंट में उनके साथ रहना वास्तव में पसंद है। लेकिन पिछले साल, उदाहरण के लिए, मैं सैमुअल के साथ था वह अभी मेरे दूसरे कोच हैं। मैं उन पर 100 प्रतिशत भरोसा करता हूं।

नेशनल यूथ फेस्टिवल:

खेल मंत्री मांडविया ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया

नईदिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को यहां 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' और राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया। भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से 3000 से अधिक युवा विषयगत चर्चाओं और रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख हस्तियों में केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, महिंद्रा समूह के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा और इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ शामिल थे। मांडविया ने इस अवसर पर भारत के भविष्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों से देश की प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह करते हुए कहा, यह कार्यक्रम युवाओं ने आयोजित किया है और यह युवाओं के लिए है। महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण 12 जनवरी को कार्यक्रम के समापन दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ चयनित युवाओं के बीच बातचीत होगी।

मलेशिया ओपन:

सात्विक-चिराग ने यू सिन ओंग-ई यि तियू को हराया

मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नईदिल्ली, एजेंसी। सात्विक और चिराग ने लेकिन लगातार अंक लेकर पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने मजबूत शुरूआत की लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार वापसी करते हुए 17 में से 13 अंक लेकर जीत दर्ज की। भारत की स्टार जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया ओपन में शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गए। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने इस सुपर 1000 टूर्नामेंट में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यि तियू को 26-24, 21-15 से हराया। पिछली बार उपविजेता रहे सात्विक और चिराग का सामना दक्षिण कोरिया के वोन हो किम और सियुंग जाए सियू से होगा। पहला गेम बराबरी का रहा जिसमें दोनों जोड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। भारतीय जोड़ी ने 11-9 की बढ़त बना ली जो 18-16 हो गई लेकिन मलेशियाई टीम ने लगातार तीन अंक लेकर वापसी की और स्कोर 19-19 कर दिया। इसके बाद उन्होंने 20-19 की बढ़त बना ली। सात्विक और चिराग ने लेकिन लगातार अंक लेकर पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने मजबूत शुरूआत की लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार वापसी करते हुए 17 में से 13 अंक लेकर जीत दर्ज की।

नीरज भाला फेंक में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट, पाकिस्तान के नदीम इस स्थान पर रहे

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में नदीम ने 92.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया था। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अमेरिकी पत्रिका 'ट्रैक एंड फील्ड न्यूज' ने 2024 में भाला फेंक में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट करार दिया है। पिछले साल ओलंपिक खेलों में पाकिस्तान के अरशद नदीम के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने कैलिफोर्निया स्थित पत्रिका की 2024 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

नीरज ने एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ा – उन्होंने ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ा। नदीम इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं क्योंकि उन्होंने ओलंपिक के अलावा केवल एक अन्य प्रतियोगिता पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लिया था जिसे वह चौथे स्थान पर रहे थे। पेरिस ओलंपिक में उन्होंने 92.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया था।

भारत इस साल भालाफेंक में शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा – भारत संभवतः इस साल सितंबर में भाला फेंक की शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें नीरज सहित कई स्टार खिलाड़ी भाग लेंगे। यह आयोजन उन कई प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त है जिनकी मेजबानी के लिए भारत ने अपनी रुचि व्यक्त की है। इसमें 2029 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है। भारत ने 2029 विश्व चैंपियनशिप और 2027 में होने वाली विश्व रिले प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए रुचि व्यक्त की है। एएफआई पिछले साल नवंबर में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को की भारत यात्रा के दौरान पहले ही 2028 विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए अपनी रुचि व्यक्त कर चुका है।

दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग ले सकते हैं – शीर्ष प्रतियोगिताओं में दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। नीरज ने हाल ही में अपने करियर में एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत की थी। नीरज ने महान भाला फेंक एथलीट यान जेलेज्नी को अपना नया कोच बनाया। तीन बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन और मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक जेलेज्नी लंबे समय से चोपड़ा के आदर्श रहे हैं।

जेलेज्नी के मार्गदर्शन में नीरज अच्छा करने की कोशिश करेंगे – जेलेज्नी के मार्गदर्शन में नीरज अपनी कामयाबी को एक अलग स्तर पर ले जाने की कोशिश करेंगे। 1992, 1996 और 2000 के ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता जेलेज्नी के नाम अब तक के शीर्ष दस सर्वश्रेष्ठ थ्रो में से पांच थ्रो हैं। 1996 में जर्मनी में 98.48 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने चार मौकों पर विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। जेलेज्नी इससे पहले जाकुब वादलेच और वितेजस्लाव वेस्ली के कोच भी रह चुके हैं। उन्होंने दो बार के ओलंपिक चैंपियन और तीन बार के विश्व चैंपियन बारबोरा स्पातोकोवा को भी कोचिंग दी है।

रणजी ट्रॉफी:

नॉकआउट में पहुंचने के लिए जीतने होंगे दोनों मैच

धर्मशाला, एजेंसी। हिमाचल अगर गुजरात को अंतिम लीग मैच में हरा देती है तो नॉकआउट के लिए आसानी से क्वालीफाई कर सकती है। हिमाचल के कप्तान और कोच के अंतिम लीग मैचों के लिए विशेष रणनीति तैयार करनी होगी। रणजी के नॉकआउट में जाने के लिए हिमाचल को अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे, लेकिन उसकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा गुजरात बनेगा। हिमाचल अगर गुजरात को अंतिम लीग मैच में हरा देती है तो नॉकआउट के लिए आसानी से क्वालीफाई कर सकती है। हिमाचल के कप्तान और कोच के अंतिम लीग मैचों के लिए विशेष रणनीति तैयार करनी होगी। अंडर-23 ट्राफी में भी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचने पर हिमाचल को गुजरात ने हराकर फाइनल में खेलने का सपना तोड़ा था। वहीं, अब रणजी के दो मैच हिमाचल को हैदराबाद और गुजरात में खेलने हैं। हिमाचल का छठा रणजी मैच 23 से 26 जनवरी को हैदराबाद के साथ होगा। 30 जनवरी से दो फरवरी को गुजरात के साथ दूसरा मुकाबला होगा। अभी तक हिमाचल ने पांच लीग मैचों में तीन में जीत हासिल की और दो मैच हारे हैं।

जबकि गुजरात ने पांच में दो मैच जीते हैं और तीन मैच ड्रॉ रहे हैं। हिमाचल 21 अंकों के साथ पूल में दूसरे स्थान पर है और गुजरात की टीम 19 अंकों के साथ के तीसरे स्थान पर बनी है। 28 अंकों के साथ विदर्भ की टीम पहले स्थान पर है। हैदराबाद 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। हिमाचल के लिए जहां हैदराबाद पर जीत हासिल करनी होगी। गुजरात से मैच जीतना भी सबसे जरूरी है। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि हिमाचल अगर गुजरात से मैच में जीत जाता है तो वह आराम से नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेगा। बचे हुए दो मैच से पूर्व हिमाचल की टीम का अभ्यास कैंप भी लगाया जाएगा। इसमें कोच और कप्तान अगले दो मैचों के लिए रणनीति भी तैयार करेंगे। इस बार हिमाचल नॉकआउट के लिए क्वालीफाई भी करेगा और फाइनल भी खेलेगा।

न्यूजीलैंड-श्रीलंका:

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बरपाया कहर, न्यूजीलैंड को बुरी तरह दी मात

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला ऑकलैंड में खेला गया. शनिवार 11 जनवरी को हुए इस मैच में श्रीलंका की टीम ने लगातार दो मैच हारने के बाद दमदार वापसी की. इस मैच में उसने कीवी टीम को 140 रनों के बड़े अंतर से हराया. हालांकि, इस जीत का सीरीज पर कोई खास असर नहीं पड़ा और न्यूजीलैंड ने 2-1 से इसे अपने नाम कर लिया. बता दें इस मुकाबले में श्रीलंका की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 290 रन बनाए थे. फिर असिथा फर्नांडो, ईशान मलिंगा और महीश तीक्षणा ने अपनी घातक गेंदबाजी से न्यूजीलैंड को महज 150 रन पर ढेर कर दिया.

श्रीलंका की टीम इस मैच से पहले लगातार 2 मैच हारकर पहले ही सीरीज गंवा चुकी थी. अब उसके लिए सम्मान की लड़ाई थी. इसलिए उसने कड़ा रुख अपनाया और टॉस जीतकर पहले बैटिंग की. पहले ओवर से श्रीलंकाई टीम ने आक्रामक अंदाज अपनाया जो अंत तक जारी रहा. ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए श्रीलंका के बल्लेबाजों ने बोर्ड पर 290 रन लगा दिए. इसके बाद श्रीलंकाई पेस अटैक ने कीवी बल्लेबाजों पर कहर बरपाया. असिथा फर्नांडो ने श्रीलंका की इस जीत में मुख्य भूमिका निभाई. उन्होंने 7 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच बने. उनके अलावा ईशान मलिंगा ने 7 ओवर में 35 रन देकर 3 विकेट और महीश तीक्षणा ने 7.4 ओवर में 35 रन देकर 3 विकेट चटकाए. वहीं जनिथ लियानागे भी बहती गंगा में हाथ धो लिया और 3 ओवर में 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया.

इंडिया-इंग्लैंड:

11,000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन सकते हैं रोहित, तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए ये करने की है जरूरत

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी जिसका आयोजन 5 मैचों की टी20 सीरीज के बाद किया जायेगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तैयारी के लिहाज से इस सीरीज को काफी अहम माना जा रहा है। भारत ने पिछले साल यानी 2024 में सिर्फ 3 वनडे मैच खेले थे और ये सीरीज श्रीलंका के खिलाफ खेली गई थी, लेकिन टीम इंडिया को 0-2 से हार मिली थी। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया इस हार को भूलकर इंग्लैंड के खिलाफ नए सिरे से शुरुआत करेगी और सीरीज को जीतने की कोशिश भी करेगी। इस वनडे सीरीज के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पास एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का भी बेहतरीन मौका होगा।

वनडे में 11,000 रन पूरे करने के करीब हैं रोहित – रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान 134 रन बनाते ही 50-50 ओवर के प्रारूप में अपने 11,000 रन भी पूरे कर लेंगे। रोहित शर्मा ने 265 वनडे मैचों में अब तक 10,866 रन बनाए हैं। इस वनडे सीरीज में 11,000 रन पूरा करते ही वो भारत की तरफ से वनडे प्रारूप में रन के इस आंकड़े को छूने वाले चौथे बल्लेबाज बन जाएंगे। भारत की तरफ से वनडे प्रारूप में 11,000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तक सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और सौरव गांगुली शामिल हैं।

तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं रोहित शर्मा – रोहित शर्मा के पास वनडे में दूसरे सबसे तेज 11,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बनने का भी मौका है। रोहित शर्मा ने अब तक वनडे में 265 मैचों की 257 पारियों में 10,866 रन बनाए हैं। रोहित शर्मा अगर अगली 10 पारियों में 134 रन बना लेते हैं तो वो वनडे में दूसरे सबसे तेज 11,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। वनडे में सबसे कम पारियों में ग्यारह हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज कोहली हैं ।

तमीम इकबाल ने फिर से इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। यह दूसरी बार है जब उन्होंने अपने करियर को अलविदा कहा है। तमीम ने जुलाई 2023 में भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन 24 घंटे के भीतर ही अपना फैसला बदल दिया था। तमीम ने हाल ही

2023 में भी लिया था, तब 24 घंटे के भीतर ही फैसला बदला

में नेशनल सेलेक्शन पैनल से मुलाकात की थी। उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम के ऐलान से पहले ही संन्यास ले लिया। तमीम ने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी मैच सितंबर 2023 में खेला। उन्होंने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया। तमीम ने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया। तमीम ने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया। तमीम का इंटरनेशनल रिकॉर्ड तमीम इकबाल ने 70 टेस्ट मैचों में 38.89 के एवरेज से 5134 रन बनाए। इसमें 10 शतक और 31 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं 243 वनडे में उनके नाम पर 36.65 की औसत से 8357 रन दर्ज हैं। वनडे इंटरनेशनल में 14 शतक और 56 अर्धशतक लगाए। तमीम ने 78 टी-20 इंटरनेशनल में 24.08 के एवरेज से 1758 रन बनाए। इसमें उनके नाम पर 1 शतक और सात अर्धशतक दर्ज हैं। कप्तान शांतो ने मनाने की कोशिश की तमीम ने 8 जनवरी को सिलहट में बांग्लादेश के चयनकर्ताओं को अपने फैसले की जानकारी दी। गाजी अशरफ हुसैन की अगुआई वाली चयन समिति ने उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश टीम में वापस आने के लिए कहा। तमीम ने तब उनसे कहा था कि वह संन्यास लेने के अपने फैसले पर कायम रहेंगे, लेकिन कप्तान नजमुल हुसैन शांतो सहित कुछ बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने उनसे फिर से विचार करने का रिक्वेस्ट किया, जिसके बाद उन्होंने एक दिन और समय लिया। इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा अध्याय समाप्त हो चुका है उन्होंने शुक्रवार को फेसबुक पर लिखा, मैं लंबे समय से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हूं। वह दूरी बनी रहेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा अध्याय समाप्त हो चुका है। मैं इस बारे में लंबे समय से सोच रहा था। अब जब चैंपियंस ट्रॉफी जैसा बड़ा आयोजन आ रहा है, तो मैं किसी के ध्यान का केंद्र नहीं बनना चाहता। उन्होंने आगे लिखा, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने ईमानदारी से मुझे टीम में वापस आने के लिए कहा। चयन समिति के साथ भी चर्चा हुई। टीम में मुझे शामिल करने के लिए मैं उनका आभारी हूं। हालांकि, मैंने अपने दिल की बात सुनी है। उन्होंने लिखा, मैंने खुद को बहुत पहले ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटा लिया था क्योंकि मैं इबंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी नहीं करना चाहता था।

अमीषा ने दी ऋतिक को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, प्यारे सफर को किया याद

'ग्रीक गॉड' के नाम से मशहूर अभिनेता ऋतिक रोशन को उनके 51वें जन्मदिन पर फैंस के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने शुभकामनाएं दी। ऋतिक को बधाई देते हुए अमीषा पटेल ने एक खास पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह पुराने खूबसूरत समय को याद करती नजर आईं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली अभिनेत्री अमीषा पटेल ने ऋतिक रोशन के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए साथ में एक प्यारा नोट भी लिखा। तस्वीर को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे ऋतिक रोशन, हमारी फिल्म 'कहो ना प्यार है' के 25 साल पूरे हो चुके हैं। डबल सेलिब्रेशन! यह तस्वीर मेरे घर पर जश्न के शुरुआत और बहुत प्यारी यादों को ताजा करती है! हमने कितना धमाल मचाया और कितना प्यारा सफर रहा। साल 2025 आपके लिए गदर का साल हो! ढेर सारा प्यार। ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान ने भी ऋतिक को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें ऋतिक रोशन के साथ सुजैन के बॉयफ्रेंड एली गोनी, भाई जायद खान और ऋतिक की खास दोस्त सबा आजाद भी नजर आईं। पोस्ट में उन्होंने लिखा, हैप्पी-हैप्पी बर्थडे राई और 'कहो ना प्यार है' के 25 साल पूरे होने का जश्न और मुझे पता है कि आपकी प्रतिभा और व्यक्तित्व का सबसे अच्छा प्रदर्शन अब शुरू होता है। रिलीज के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, कहो ना प्यार है को 10 जनवरी 2025 को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। खास बातचीत के दौरान अमीषा पटेल ने बताया था, मैं बेहद आभारी हूं। यह दर्शकों का प्यार है कि इतने सालों के बाद भी वे मुझे इतना प्यार करते हैं और मेरा समर्थन करते हैं। हाल ही में 'गदर- एक प्रेम कथा' को फिर से रिलीज किया गया और फिर 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफ़िस पर धमाल मचा दिया।

ऋतिक रोशन बोले

मुझे पसंद नहीं कोई मुझे ज्यादा तवज्जो दे

अभिनेता ने अपनी अपकमिंग डॉक्यूमेंट्री के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीवन से जुड़े कुछ अटपटे वाकयों का जिक्र किया। ये भी कहा कि उनको कोई ज्यादा तवज्जो दे ये पसंद नहीं। अभिनेता ने कहा, जब मैंने यह डॉक्यूमेंट्री देखी तो मैं बिल्कुल हैरान रह गया। इसे इतनी खूबसूरती से निर्देशित किया गया है। उन्होंने डॉक्यूमेंट्री को शानदार बताते हुए कहा, मुझे आश्चर्य है कि मुझे जादुई तरीके से उनसे बात करने का मौका मिलेगा। डॉक्यूमेंट्री देखने के बाद मैं वास्तव में उनसे उनके बचपन के बारे में पूछना चाहूंगा कि उन्होंने क्या-क्या झेला, मुझे आश्चर्य है कि वह मुझसे क्या पूछेंगे। मुझे लगता है कि वह मुझसे पूछ सकते हैं कि क्या मैं खुश हूं?

अभिनेता ने साल 2000 में रिलीज हुई पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' को अपनी प्रेरणा बताया। अभिनेता ने कहा, मैं उनका शुक्रिया अदा करूंगा क्योंकि मैं अक्सर सोचता हूं कि जब मैं अपनी पहली फिल्म कर रहा था तो मेरे अंदर क्या प्रेरणा थी। वह क्या थी? यह कहां से आया? इसका सबसे आसान जवाब यह है कि यह पहले से ही मेरी जीन में था और यही आगे बढ़ता गया। ऋतिक रोशन को उनके आकर्षक लुक के कारण बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि उन्हें ध्यान आकर्षित करना पसंद नहीं है। अभिनेता ने कहा, जब मेरे डैड ने कहा कि वह यह डॉक्यूमेंट्री बनाना चाहते हैं, तो मुझे अजीब लग रहा था।

करण जौहर संग काम करना चाहती हैं कंगना

अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने बॉलीवुड के मशहूर निर्माता-निर्देशक करण जौहर को फिल्म ऑफर की है। अभिनेत्री ने हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल में शिरकत की, जहां उन्होंने कहा कि वह करण जौहर के साथ काम करना चाहती हैं। उन्होंने यह कहते हुए करण जौहर को फिल्म ऑफर की। साथ ही कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगी कि उन्हें एक महत्वपूर्ण भूमिका मिले।

अभिनेत्री ने कहा, सॉरी, लेकिन करण सर को मेरे साथ एक फिल्म करनी चाहिए। मैं एक बहुत अच्छी फिल्म बनाऊंगी और उन्हें फिल्म में अच्छा रोल भी दूंगी, जो सास और बहू के झगड़े पर आधारित नहीं होगी। इससे पहले कंगना ने बातचीत की और फिल्म से कुछ हिस्सों को हटाने के केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें सीबीएफसी का फैसला स्वीकार है। उन्होंने कहा, मुझे अच्छा लगता कि फिल्म बिना कट के पूरी आती। लेकिन कट के साथ कोई समस्या नहीं है, क्योंकि ऐसा नहीं है कि फिल्म किसी का मजाक उड़ाने के लिए बनाई गई है। सीबीएफसी ने इतिहास से जुड़े कुछ तथ्यों को पूरी तरह से हटा दिया हालांकि, यह मेरी फिल्म को प्रभावित नहीं करता है और यह इस बात का प्रमाण है कि इससे फिल्म पर कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने आगे कहा, कहानी पर कोई असर नहीं पड़ा है। फिल्म में देशभक्ति का संदेश पूरी तरह से बरकरार है इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस कट ने फिल्म को प्रभावित किया है। लेकिन अगर उन्होंने ऐसा किया है, तो इसके पीछे कोई कारण रहा होगा। फिल्म 1970 के दशक में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके द्वारा लगाए गए इमरजेंसी पर आधारित है।

द दिल्ली फाइल्सः हफ्ते में 40-70 घंटे रिहर्सल में बिताती हैं पल्लवी जोशी

निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की अपकमिंग फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' को लेकर नई खबर सामने आई है।

निर्माता पल्लवी जोशी 'द दिल्ली फाइल्स' को जीवंत बनाने के लिए अभिनेताओं के साथ सेट पर 40-70 घंटे रिहर्सल में बिताती हैं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री और दूरदर्शी निर्माता के रूप में इंडस्ट्री में पहचान बना चुकी अभिनेत्री 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द वैक्सीन वॉर' के बाद अब अपकमिंग प्रोजेक्ट 'द दिल्ली फाइल्स' के साथ एक बार फिर से तहलका मचाने को तैयार हैं। 'द दिल्ली फाइल्स' में जोशी फिल्म निर्माता और अभिनेत्री के तौर पर काम कर रही हैं।

एक सूत्र ने खुलासा किया, पल्लवी जोशी प्रोडक्शन के हर पहलू में गहराई से शामिल हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सब कुछ बिना बाधा के चले और कोई दिक्कत ना हो वह फिल्म के कलाकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। इस दौरान वह सेट पर मौजूद रहती हैं।

दिलजीत दोसांझ की लंबे समय से अटकी पड़ी फिल्म जल्द होगी रिलीज! अभिनेता ने साझा किया अपडेट

दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में अपनी बहुचर्चित फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है। जसवंत सिंह खालड़ा की बायोपिक को लेकर उन्होंने बताया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी। दिलजीत दोसांझ की फिल्म पंजाब 95 काफी समय से चर्चा में है। यह फिल्म अपने कंटेंट की वजह से लंबे समय से अटकी पड़ी है। हालांकि, अब लग रहा है कि यह फिल्म जल्द रिलीज हो सकती है। हाल ही में दिलजीत ने अपनी इस फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, बहुप्रतीक्षित फिल्म फरवरी में रिलीज हो रही है। इस हम अपने एलबम की रिलीज को स्थगित कर रहे हैं। दिलजीत ने अपने इंस्टा स्टोरी पर फिल्म के नाम का जिक्र नहीं किया, लेकिन साझा की गई तस्वीरों से फैंस यह अंदाजा लगा रहे हैं कि वह अपनी फिल्म पंजाब 95 की बात करें रहे हैं।

बिग बॉस 18 से बाहर आने पर श्रुतिका ने खोली पोल

बिग बॉस 18 से बाहर आने के बाद श्रुतिका अर्जुन ने शो में अपनी यात्रा के बारे में बात की और घर के अन्य प्रतिभागियों के बारे में दिलचस्प खुलासे किए। बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट श्रुतिका अर्जुन को रियलिटी शो से बाहर कर दिया गया है। बिग बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले से ठीक एक हफ्ते पहले शो से बाहर होने की खबर आई।

श्रुतिका को चाहत पांडे और रजत दलाल के साथ नॉमिनेट किया गया था। घर से बाहर होने के बाद श्रुतिका ने बिग बॉस में अपने सफर के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इस घर ने मुझे और मजबूत बनाया। मैंने अपनी जिंदगी में कभी अकेले सफर नहीं किया। मैं कभी भी परिवार या अर्जुन के बिना 24 घंटे भी अकेली नहीं रही। और यहां तो तीन महीने हो गए और वो भी बिना फोन के, ये सब बहुत ज्यादा हो गया, लेकिन मुझे बाहर आकर अच्छा लग रहा है।

बिग बॉस में कैसा रहा श्रुतिका का सफर

बिग बॉस 18 के सफर को श्रुतिका ने सबसे प्यारा सफर भी कहा। उन्होंने कहा कि कलर्स चैनल और शो उनके लिए मंदिर जैसा है, क्योंकि उन्होंने हिंदी फिल्मों में काम भी नहीं किया, लेकिन उन्हें करणवीर मेहरा और अन्य के साथ 95 दिनों तक रहने और सीखने का मौका मिला, ये उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने शो के अन्य प्रतिभागियों के बारे में भी बात की।

निधि को मिली जान से मारने की धमकी

अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने हैदराबाद में साइबर क्राइम पुलिस से शिकायत की। उन्होंने बताया कि उन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति ने परेशान किया है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी है।

उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस को बताया कि परेशान करने वाला अज्ञात व्यक्ति बार-बार उनके इंस्टा अकाउंट को अश्लील मैसेज से टैग कर रहा है। निधि अग्रवाल ने कहा, साइबर क्राइम पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा कि ऑनलाइन धमकियों के कारण वह और उनका परिवार भावनात्मक तनाव में हैं। उन्होंने पुलिस से आरोपी की पहचान करने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

महाकुंभः शिव तांडव स्तोत्र पर लाइव प्रस्तुति देंगी अदा शर्मा

फिल्म इंडस्ट्री की टैलेंटेड अभिनेत्री अदा शर्मा महाकुंभ में शिव तांडव स्तोत्रम पर अपनी लाइव प्रस्तुति देंगी। अदा शर्मा पहली बार कुंभ जा रही हैं। बता दें, महाकुंभ मेले की शुरुआत बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और शंकर महादेवन, कैलाश खेर, हरिहरन, मोहित चौहान जैसे अन्य सितारों के साथ होगी। महाकुंभ में प्रस्तुति देने वाले सितारों की लिस्ट में अभिनेत्री अदा शर्मा का भी नाम शामिल हो चुका है।

लाइव प्रस्तुति के दौरान वह शिव तांडव स्तोत्र का जाप करेंगी। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर लेटेस्ट पोस्ट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम हैंडल पर अभिनेत्री ने लाइव जाप करते हुए एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह आंख बंद करके शिव तांडव का पूरा पाठ करती नजर आई थीं। अभिनेत्री का वीडियो वायरल हो गया था। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए शूटिंग के पीछे की झलक दिखाई थी। इंस्टाग्राम पर वीडियो को शेयर कर 'उन्होंने लिखा, मैं उन लोगों में से नहीं, जिसे धूम्रपान पसंद है, लेकिन मैं अपने प्यार के लिए ये पसंद करती हूं। (यहां प्यार सिनेमा के लिए है) रीता सान्याल। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सिगरेट-धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। कार्बन मोनो ऑक्साइड का धुआं भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, का भी जिक्र किया था।

अदा शर्मा की गिनती उन अभिनेत्रियों में की जाती है, जो सोशल मीडिया पर फैंस के साथ नए पोस्ट के साथ अपडेट रहती हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें वह वर्कआउट करती नजर आई थीं। वीडियो शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा था, वर्कआउट के बीच कुछ ध्यान वाली चीजें भी अच्छी हो सकती हैं। आज सेलिब्रेशन! क्योंकि यह बेबी खारुताई (गिलहरी) है, जो मुझसे बहुत डरती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे वह मुझ पर भरोसा करने लगी है।

पहले वह मुझसे इतना डरती थी कि मुझे दूर खड़ा देखकर भी भाग जाती थी। अदा शर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में अभिनेत्री रीता सान्याल में नजर आई थीं। अभिरूप घोष के निर्देशन में बनी टेलीविजन सीरीज का प्रीमियर 14 अक्टूबर, 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हुआ था। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित एक राजनीतिक थ्रिलर बस्तरः द नक्सल स्टोरी में देखा गया था।

-साभार एजेंसी